संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 237 रविवार 29 जून 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

अमेरिका और पाक के बातचीत पर संदेह

जयशंकर और अराघची के बीच फोन कॉल...

» उधर अमेरिका की पाकिस्तानी पीएम से बात

नई दिल्ली,28 जून 2025(ए)। ईरान और इजरायल में जंग के दौरान अमेरिका की एंट्री हुई। इस बीच ट्रंप ने सीजफायर का ऐलान किया। हालांकि,पश्चिम एशिया में तनाव अभी कम नहीं हुआ है। इस बीच विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची से फोन पर बात की है। उन्होंने पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा की। अमेरिका, ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर पाकिस्तान को शामिल करने की कोशिश कर रहा है। वहीं भारत ने ईरान से अपने नागरिकों को किस तरह सुरक्षित निकाला, इन सभी मुद्दों पर दोनों देशों के बीच बातचीत हुई।

जयशंकर ने क्या कहा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि उन्होंने ईरान के विदेश मंत्री से बात की। जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि ईरान के विदेश मंत्री अराघची से बात की। मौजूदा जटिल स्थिति में ईरान के नजरिए और सोच को साझा करने के लिए उनकी सराहना करता हूं। भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने में मदद करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। अराघची ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत आए थे। विदेश मंत्रालय के अनुसार,भारत ने ईरान से 4,400 से अधिक नागरिकों को निकाला है। ईरान ने भारत को अपने नागरिकों को निकालने में मदद की। भारत ने पड़ोसी देशों और चार्टर्ड फ्लाइट के जरिए लोगों को निकाला।

अमेरिका की पाकिस्तान से बात

उधर, अमेरिका भी इस मामले में सक्रिय है। स के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज से बात की। उन्होंने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चर्चा की। इससे पता चलता है कि अमेरिका, ईरान के मुद्दे पर पाकिस्तान को शामिल करना चाहता है। स्टेट डिपार्टमेंट की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री मुहम्मद शहबाज शरीफ से मध्य पूर्व की घटनाओं के बारे में बात की। मंत्री रुबियो ने जोर दिया कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार विकसित या हासिल नहीं कर सकता है।

आखिर ये चल क्या रहा

दोनों नेताओं ने इजरायल और ईरान के बीच स्थायी शांति को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए मिलकर काम करने के महत्व को स्वीकार किया। पाकिस्तान के पीएम ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सराहना की। उन्होंने ईरान और इजरायल के बीच युद्धविराम कराने में ट्रंप की भूमिका को सराहा। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम कराने में भी अमेरिका की भूमिका की सराहना की। हालांकि,पीएम मोदी ने साफ कर दिया है कि उन्हें तीसरे पक्ष की मध्यस्थता नहीं चाहिए।

शहबाज से क्या हुई चर्चा

शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान मध्य पूर्व में शांति बनाए रखने में मदद करेगा। यह फोन कॉल तब हुई है जब कुछ दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर को दोपहर के भोजन पर बुलाया था। उस बैठक में ईरान का मुद्दा भी उठा था। इस पूरे घटनाक्रम से पता चलता है कि पश्चिम एशिया में स्थिति कितनी जटिल है। भारत, ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत चल रही है। सभी देश इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं।

भारत की रक्षा कंपनी ने किया श्रीलंका के शिपयार्ड का अधिग्रहण

» चीनी घुसपैठ को करारा जवाब

नई दिल्ली,28 जून 2025 (ए)। भारत की प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा कंपनी, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने एक महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम उठाते हुए श्रीलंका के सबसे बड़े शिपयार्ड,कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी (सीडीपीएलसी) में नियंत्रणकारी हिस्सेदारी हासिल कर ली है। यह सौदा 52.96 मिलियन अमेरिकी डॉलर, यानी लगभग 452 करोड़ रुपये में संपन्न हुआ है। यह पहली बार है जब किसी भारतीय सरकारी रक्षा शिपयार्ड कंपनी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई अधिग्रहण किया है। इस अधिग्रहण के माध्यम से भारत को हिंद महासागर क्षेत्र में एक मजबूत रणनीतिक उपस्थिति मिलने की उम्मीद है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब श्रीलंका सहित पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य और आर्थिक पैठ भारत के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, जो भारत की सबसे बड़ी रक्षा शिपयार्ड कंपनी है, ने कोलंबो डॉकयार्ड में कम से कम 51त्न हिस्सेदारी खरीदने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह अधिग्रहण प्राथमिक पूंजी निवेश और द्वितीयक शेयर खरीद के मिश्रण के माध्यम से पूरा किया जाएगा। इसमें जापान की ओनोमिची डॉकयार्ड कंपनी लिमिटेड से शेयरों की खरीद भी शामिल है, जो वर्तमान में सीडीपीएलसी की सबसे बड़ी शेयरधारक है। इस सौदे को अभी नियामक अनुमोदन और कुछ अन्य सामान्य शर्तों को पूरा करना बाकी है, और इसके अगले चार से छह महीनों में पूरा होने की संभावना है। सौदे के पूरा होने के बाद, कोलंबो डॉकयार्ड, भारत की रूष्ठरु की एक सहायक कंपनी बन जाएगी।

महत्वपूर्ण खबर

पराग जैन बने भारत की खुफिया एजेंसी आरएडब्ल्यू के नए चीफ

नई दिल्ली,28 जून 2025(ए)। नरेंद्र मोदी सरकार ने शनिवार को वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पराग जैन को भारत की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग का नया चीफ नियुक्त किया है। पंजाब कैडर के 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी पराग जैन 1 जुलाई को दो वर्ष की अवधि के लिए आरएडब्ल्यू चीफ का कार्यभार संभालेंगे और वर्तमान प्रमुख रवि सिन्हा का स्थान लेंगे। रवि सिन्हा का कार्यकाल 30 जून को समाप्त होगा। बता दें कि आरएडब्ल्यू भारत की वो खुफिया एजेंसी है जो देश के बाहर का खुफिया ऑपरेशन देखती है।

न्यूज एंकर की लाश मिली

हैदराबाद,28 जून 2025(ए)। लोकप्रिय तेलुगु टेलीविजन एंकर स्वेत्चा वोटरकर चिक्कड़पल्ली पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत जवाहरनगर में अपने आवास पर मृत पाई गईं। यह घटना शुक्रवार की सुबह सामने आई. प्रारंभिक जांच के अनुसार स्वेत्चा को छत के पंखे से लटका हुआ पाया गया। पुलिस को संदेह है कि यह आत्महत्या का मामला है,लेकिन अन्य एंगल से मामले की जांच की जा रही है। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

नेशनल हाईवे पर लूट मचाने वाले फिल्मी स्टाइल के लुटेरे गैंग का हुआ पर्दाफाश

मऊगंज,28 जून 2025(ए)। जिले के नेशनल हाईवे पर महीनों से आतंक का पर्याय बने लुटेरों के एक खूंखार गिरोह को आखिरकार मऊगंज पुलिस ने सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। फिल्मी अंदाज में लूटपाट करने वाले इस गैंग ने न तो महिलाओं को बख्शा, न बुजुर्गों को, और न ही बीमार या मजबूर लोगों को। लेकिन मऊगंज पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी के नेतृत्व में पुलिस ने इस चुनौती को स्वीकार किया और सटीक कार्रवाई कर चार शातिर लुटेरों को धर दबोचा।

फ्लैट में नशे का जखीरा, कीमत 2.12 करोड़,मचा हड़कंप

ठाणे,28 जून 2025(ए)। महाराष्ट्र में ठाणे पुलिस ने एक फ्लैट से 2.12 करोड़ रुपये मूल्य की 1.93 किलोग्राम मेफेड्रोन (एमडी) दवा जब्त करने के बाद एक युवती समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इस बात की जानकारी एक अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी।. पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय, कल्याण) अतुल ज़ेंडे ने बताया कि पुलिस ने गुरुवार रात को अवैध ड्रग नेटवर्क के बारे में सूचना मिलने के बाद डोंबिवली के पास खोनी गांव में स्थित फ्लैट पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान नेटवर्क में शामिल 21 वर्षीय महिला को मौके पर ही पकड़ लिया गया जबकि उसके दो पुरुष साथी शुरू में घटनास्थल से भाग गए,लेकिन बाद में उनका पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

कोलकाता गैंगरेप केस में सिक्योरिटी गार्ड अरेस्ट

कोलकाता,28 जून 2025(ए)। कोलकाता के लॉ कॉलेज गैंगरेप केस में एक और गिरफ्तारी हुई है। पुलिस ने कॉलेज के सिक्योरिटी गार्ड (55 वर्षीय पिनाकी बनर्जी) को गिरफ्तार किया है। घटना के समय वो कॉलेज में ड्यूटी पर मौजूद था। इस गिरफ्तारी के साथ ही अब तक गैंगरेप केस में कुल चार लोगों को पकड़ा जा चुका है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैप्टन शुभांशु शुक्ला से की बातचीत

नई दिल्ली, 28 जून 2025(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय वायुसेना के ग्रूप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से अंतरिक्ष में सीधी बातचीत की। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला वर्तमान में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद हैं और भारत के अंतरिक्ष इतिहास में एक अहम भूमिका निभा रहे हैं। इस ऐतिहासिक संवाद के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने शुभांशु शुक्ला से उनके अनुभव, वैज्ञानिक प्रयोगों और भारत के अंतरिक्ष मिशन की प्रगति को लेकर विस्तार से चर्चा की।

एलन मस्क के जन्मदिन पर टेस्ला ने लॉन्च की अनोखी कार

बिना ड्राइवर 116 केएमपीएच की रफ्तार से ग्राहक के घर पहुंची...

टेक्सास,28 जून 2025(ए)। अमेरिकी ऑटो कंपनी टेस्ला के सीईओ और दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी एलन मस्क ने अपने जन्मदिन ऐतिहासिक कार लॉन्च की है। टेस्ला की यह मॉडल वाई कार फुली ऑटोनॉमस (खुद चलने वाली) है। अमेरिका के टेक्सास स्थित फैक्ट्री से डिलीवरी के बाद बिना ड्राइवर या ऑपरेटर के खुद चलकर ग्राहक के घर पहुंची। कार की शुरुआती कीमत 34 लाख बताई गई।

116 केएमपीएच की स्पीड से खुद पहुंची कार

इस फुली सेल्फ-ड्राइविंग इलेक्ट्रिक कार की डिलीवरी टेक्सास में की गई। टेस्ला ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कार को ट्रैफिक सिग्नल, पैदल यात्रियों और वाहनों को पहचानते हुए नेविगेट करते देखा गया। टेस्ला के ऑटोपायलट हेड अशोक एलुस्वामी के अनुसार, कार ने इस दौरान 72 मील प्रति घंटा (116 केएमपीएच) की टॉप स्पीड भी हासिल की।

मस्क का मास्टरप्लानः फ्लीट ऑफ ड्राइवरलेस टैक्सीज

एलन मस्क का सपना है कि टेस्ला कार मालिक अपनी कार को खाली समय में रोबोटैक्सी नेटवर्क पर लिस्ट कर कमाई कर सकें। इससे एक ग्लोबल ऑटोनॉमस टैक्सी फ्लीट बनाई जा सकेगी। एलन मस्क ने जिस फ्यूचरिस्टिक परिवहन प्रणाली की परिकल्पना की थी, वह अब हकीकत बनती जा रही है।

विमान हादसे के बाद पार्टी कर रहे थे एअर इंडिया के कर्मचारी

बर्खास्त किए गए 4 सीनियर अधिकारी

अहमदाबाद,28 जून 2025(ए)। एयरपोर्ट सर्विस मैनेजमेंट फर्म एअर इंडिया सैट्स सर्विसेज ने अहमदाबाद हादसे के कुछ दिन बाद ऑफिस में जश्न मनाने वाले वीडियो पर खेद जताया है। इस मामले को लेकर कंपनी ने घटना को गंभीरता से लिया और चार वरिष्ठ अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया है।कंपनी ने कहा है कि हमने जिम्मेदारों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की है और बाकी कर्मचारियों को चेतावनी दी है। कंपनी ने कहा, हम पीड़ित परिवारों के साथ हैं और इस घटना पर हमें गहरा खेद है। हम प्रोफेशनलिज्म और जिम्मेदारी के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना के कुछ ही दिनों बाद, एयर इंडिया एसएटीएस के चार वरिष्ठ अधिकारियों को उनके ऑफिस में पार्टी करते हुए एक वीडियो वायरल हुआ था। इस वीडियो में कर्मचारी डांस करते हुए नजर आ रहे थे। इस असंवेदनशील व्यवहार को लेकर लोगों में गुस्सा था और यही कारण है कि कार्रवाई की मांग की जा रही थी।

भ्रष्टाचार के आरोपी जेल अधिकारियों पर गिरी गाज,20 से ज्यादा सस्पेंड

चंडीगढ़,28 जून 2025(ए)। पंजाब की मान सरकार ने शनिवार को भ्रष्टाचार के मामले में 25 जेल अधिकारियों को सस्पेंड किया है। इसमें 3 डिप्टी सुपरिडेंट, 2 असिस्टेंट सुपरिडेंट और शेष जेल कर्मचारी शामिल हैं। पंजाब सरकार के प्रवक्ता के अनुसार जेल में ड्रग्स नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए सरकार ने यह कदम उठाया है। इससे पहले सरकार को जेल में भ्रष्टाचार की जानकारी मिली थी, तब जाकर यह कार्रवाई की गई है। सरकार के प्रवक्ता ने इस कार्रवाई के बारे में पूरी जानकारी दी। सरकार की ओर से यह कार्रवाई जेल की कार्यशैली में सुधार लाने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए की गई है। सोच यही है कि अधिकारी अपने पद को गंभीरता से लें, लापरवाही न करें। उम्मीद जताई जा रही है कि इस कार्रवाई से जेल अधिकारी अपने काम को निष्ठापूर्वक करेंगे।

रिटायरमेंट से दो दिन पहले 50 हजार की रिश्वत लेते पकड़े गए कृषि अधिकारी

सागर,28 जून 2025(ए)। लोकायुक्त पुलिस ने शनिवार को भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी संतोष कुमार जैन को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। हैरानी की बात यह है कि आरोपी अधिकारी दो दिन बाद सेवानिवृत्त होने वाले थे, लेकिन रिटायरमेंट से पहले ही लालच में पड़कर घूस लेते पकड़े गए।

एसीबी के एएसपी जगराम मीना 50 लाख रुपये रिश्वत के साथ गिरफ्तार

जयपुर, 28 जून 2025(ए)। राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने अपने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) को रिश्वतखोरी और जबरन वसूली के आरोप में गिरफ्तार किया है। शुक्रवार को एएसपी जगराम मीना के पास से करीब 50 लाख रुपए बरामद किए गए। इस पैसे को गिनने के लिए नोट गिनने वाली मशीन बुलानी पड़ी। मीना की कार से 9.35 लाख रुपए और उसके घर से 40 लाख रुपए बरामद किए गए। एसीबी महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने इस कार्रवाई के बाद जगराम मीना को कार्यमुक्त कर दिया है।

संपादकीय

युद्ध की भूमिका बना रहे आतंकी

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने पांच घाटी जिलों में छापामारी कर तीन सौ राइफलें व अन्य हथियार बरामद किए। इसके साथ ही जबरन वसूली करने वाले प्रतिबंधित संगठनों के पांच उग्रवादियों को भी गिरफ्तार किया।मणिपुर पुलिस, सीआरपीएफ, सेना व असम राइफल्स की संयुक्त टीम ने विस्फोटकों व अन्य युद्ध सामग्री बरामद की।इसमें 151 एसएलआर राइफलें,65 इंसास राइफलें,73 अन्य प्रकार की राइफलें, बारह हल्की मशीन गनें, पांच कार्बाइन गन,दो एमपी-5 गन, छह एके सीरीज राइफलें,दो अमोघ राइफल,एक मोर्टार, छह पिस्तौलें, दो फ्लेयर बंदूकें,दस ग्रेनेड,सात डेटोनेटर व एक एआर-15 समेत कुल 328 बंदूकें व राइफलें बरामद कीं।यह खुफिया ऑप्रेशन मणिपुर में समान्य स्थिति बहाल करने,सार्वजनिक व्यवस्था कायम करने,नागरिकों व उनकी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयासों के लिहाज से किया गया।राज्य की पुलिस ने आम जनता से व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अवैध हथियारों से जुड़ी सूचना तत्काल नजदीकी पुलस स्टेशन या केंद्रीय निरीक्षण केंद्र को राज्य में सामान्य देने की अपील की है। जब्त किया गया जखीरा देख कर कहा जा सकता है कि आतंकी युद्ध की भूमिका बना रहे हैं।उनका असल मकसद कुकी व मैतई विद्रोह के बीच फायदा उठाकर राज्य में अमन-चैन तबाह करना है। राज्य की सार्वजनिक व्यवस्था सुचारू बनाने व सामान्य स्थिति बहाल करने के सरकारी प्रयास जारी हैं। लंबे अरसे से संघर्षरत राज्य में आम जन-जीवन बुरी तरह प्रभावित है। बड़ी संख्या में लोग पड़ोसी राज्यों में पलायन कर चुके हैं। रोजगार व आमदनी के साधन चरमरा चुके हैं। घर, दुकान, प्रतिष्ठानों कों बहुत क्षति पहुंची है।इतनी बड़ी संख्या में हथियारों की बरामदगी आतंकियों/ उपद्रवियों के इरादों की द्योतक है। मगर सवाल यह भी है कि चाक-चौबंद सुरक्षा-व्यवस्था व मुस्तैदी के दरम्यान ये अवैध हथियार कैसे राज्य की सीमा के भीतर पहुंच रहे हैं। सीमाओं पर सख्ती के अतिरिक्त घाटी वाले इलाकों पर सतर्कता जरूरी है।राजनीति से इतर इस संघर्ष को रोकने के तत्काल प्रयास बेहद जरूरी हैं। केंद्र द्वारा की जाने वाली उपेक्षा को लेकर पूर्वोत्तर राज्य हमेशा त्योरियां चढाये रहते हैं। इस पर विचार किया जाना चाहिए। इन छोटे राज्यों के विकास और स्थानीय युवाओं को राजगार देने जैसी मूल दिक्कतों का निस्तारण करने में लापरवाही हमेशा नकारात्मक नतीजे ही देने वाली साबित होगी।

फूंक-फूंक कर कदम रखना वो लोग जो सॉरी...

कितना छोटा शब्द है ना सॉरी,कितनी आसानी से इस शब्द का प्रयोग कर अपने बड़े-बड़े कर्म

वीना आडवानी तन्वी
नागपुर,महाराष्ट्र

कांडों पर पर्दा डालना के लिये बस दो वर्णों का शब्द माफी बोलकर जैसे लोग गंगा नहा लेते हैं। किसी के अंतरात्मा को,वजूद को,किसी की रूह को तोड़ छलनी-छलनी कर, समाज में, रिश्तेदारों में, दोस्त यारों मे इतना गिरा सबकी नजरों मे और बाद मे जब अपनी ग़लती का एहसास हुआ तो मात्र माफी (सॉरी) शब्द का प्रयोग कर लिया। क्या इतनी हद तक गिर जाने के बाद आपके अंतर्मन को घायल करने वाले को आप कभी माफ़ कर पाएंगे। शायद नहीं या शायद हॉं।
यदि मुझ लेखिका से यही प्रश्न कोई करता तो मेरा उत्तर सिर्फ एक होता- बिल्कुल नहीं। सच मैं उस इंसान को कभी भी माफ नहीं कर सकती जो इतना ज़लील हो। जो स्वयं के भीतर पनप रहे हर एक पाप को छुपाने के लिये किसी दूसरे को ग़लत ठहराने की हर एक वो चाल चले जिससे वो तो समाज की नजरों में पाक-पवित्र साबित हो जाए (जो कि वो है ही नहीं) और दूसरों के सर पर हर एक लांछन का पिटारा फोड़ दे(जब की वो भी जानता की सामने वाला वैसा है ही नहीं)। जानते हैं किसी के ऊपर बेवजह ऊंगली उठाकर या उसे बदनाम करके आप अपने पाप कर्म पर आखिर कब तक पर्दा डाल सकते हैं चलिए समाज रिश्तेदारों को कुछ माह, कुछ वर्ष तक आपने अपने शैतानी दिमाग से चाल चल अपने बातों मे फंसा लिया पर क्या आप अपने नाजायज़ संबंध, पाप, अनगिनत लोगों के साथ पैसों की हेराफेरी,हवस,गलत तंत्र-मंत्र, दूसरों के रिश्तों में दरार डाल बहती गंगा में हाथ धोने जैसे नापाक सोच लिये हुए उस कर्म, समय के चक्र, भगवान से बच सकते हैं?
आप सोचेंगे ये कितने सवाल करती लेखिका? परंतु जिंदगी के हर एक मीठे-कड़वे अनुभवों ने इतनी गहराई तक वार किया की रूह से लिखने बैठ जाती और लिखती तो अपनी ही जिंदगी के समस्त उपस्थित किरदारों संग मिल जिंदगी की किताब खोल कर पाठकों के आगे रख देती। एक खुली किताब हूॅं मैं। चलिए वापस उसी प्रशन पर आ जाती हूॅं तो

बताइये क्या ऐसे लोगों को कर्म, समय, काल का चक्र बख़ूश देंगे? जवाब है नहीं बिल्कुल नहीं बख्शेंगे ऐसे लोगों को उनके ही द्वारा किये हर एक वो कर्म जो वो करते तो चले गये,जब उन चालाक, धूर्त,कपटी लोगों को लगा उनकी किसी सरल इंसान को गिरा पाप के राह में आ रहे कॉंटें पर विजय पा ली है तो इस घिनौनी जीत का जैसे उन पर नशा छा जाता है ओर वो उस घिनौने नशे में लिप्त होकर बस हर एक उस इंसान को बेवजह बदनाम करते जो उनकी अय्याशी या ग़लत कामों में रोड़े बन रहा है। ऐसे लोग भूल जाते की उनसे भी अधिक चालबाज कोई ओर है और वो चालबाज ओर कोई नहीं वो कर्म, समय, भगवान है। जिनकी लाठी जब चलती तो आवाज़ भी नहीं होती और चालबाज की हर एक चाल उस पर ही पलटवार कर उसे औंधे मुंह गिरा देती है। वक्त लगता है पर इंसाफ़ जरूर होता है।
चलो मान भी लो कि ऐसे दुष्टों को माफ हम इंसान कर भी दें पर रूह में सदैवे हर एक दी गई चोट के निशान रहेंगे जो कभी भर नहीं सकते। ये चोट बाहरी रूप से नहीं दिखते परंतु आंतरिक रूप से तोड़ देते इंसा को उस इंसान को जो आंख मुंद कर खुद से भी अधिक, इस ज़माने से भी अधिक सिर्फ और सिर्फ आप पर विश्वास करता था जो आपको ही अपना सर्वस्व मानता था और जब ऐसे इंसान को आप चोट देते तो वो इंसान टूटकर बिखरता चला जाता और आप उसे अपनी विजय समझते इसी विजय के नशे की लत सी जैसे लग जाती और आप वार दर वार करते चले जाते हो।
बहुत नसीब वालों से मिलते खुद से अधिक, समाज से अधिक चाहने वाले लोग जो अपना सर्वस्व मानते आपको ऐसे लोगों को तो करोड़ों की जागीर की तरह समझ संभालकर रखना चाहिए ना की उसे इतने प्रताड़ित करना चाहिए की वो स्वयं आपसे बेपनाह नफरत करने लगे। और बस बाद में उसी शख्स को सिर्फ सॉरी कह कर आप अपनी ओर पुनः खिंचने की कोशिश करें। जो की संभव तो है पर पहले की तरह नहीं, वो पहले जैसा प्यार, विश्वास,सम्मान नहीं दे पाएगा क्योंकि वो अपनी रूह पर लगी चोट से आपके घिनौने शैतानी व्यक्तित्व को पहचान चुका होता है उसे आपकी सच कही बात भी झूठ लगेगी,आपके आंखों के पछतावे के आंसूं भी बनावटी लगेंगे क्योंकि जहरीला गिरगिट हमेशा रंग बदलता रहता है उसके रंग बदलने की फितरत नहीं जा सकती और ये जहरीले गिरगिट सरल इंसान को कब डस ले कह नहीं सकते। इसलिए भरोसा जो टूट गया वो पुनः नहीं आ सकता।
क्या माफी मांगने के बाद आप वो सम्मान वापस दे पाएंगे? जो आपने समाज रिश्तेदारों में खराब किया सरल इंसान का,क्या आप वो हसीन समय लौटा सकते जो आपकी घटिया रची साजिशों तले जीतेजी नरक बन गया सरल इंसान के लिये? क्या आप हर एक वो खुशी दे सकते लौटा के जिसका हकदार था सरल इंसान,अरे आप जैसा इंसान किसी को क्या देगा जो अपने स्वार्थ के लिये खून के रिश्तों को भी छलते चले गये, खैर आप जैसे इंसानों का वजूद,अरे आप जैसे इंसानों का होना ही एक कलंक है इस दुनिया में जो अपने स्वार्थ के लिये किसी के साथ भी सोने के लिये भी तैयार हो जाते। आप जैसे शातिर चालबाज लोग ये तक भूल जाते की आप से जुड़े लोगों का भविष्य भी अंधकार में डूब जाता है। खैर ऐसे लोग पैसे के पुजारी होते वो पैसों और अपने हर एक स्वार्थ, अय्याशी के लिये किसी भी हद तक गिर सकते। जिसने एक बार छला वो छलता ही चला जाता याद रखना ऐसे लोगों पर पुनः विश्वास मतलब खुद को दर्द के दलदल में खुद को धकेलने जैसा है । माफ़ कर दो पर अपनी आंख, नाक, कान को चौकना रखने मे ही आपकी समझदारी है वो कहावत है ना दूध का जला छाछ भी फूंक-फूंक कर पीता है। तो फूंक-फूंक कर कदम रखो और खुद को पुनः खड़ा कर सको अपने दम़ पर ।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

बाह्य तथा आंतरिक सुरक्षा के खतरे

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

भारत संप्रभुता एकता तथा अखंडता का वैश्विक स्वच्छ एवं साफ-सुथरी छवि वाला एकमात्र बड़ा लोकतांत्रिक देश है। अमेरिका में भी लोकतंत्र है पर वहां पूंजीवादी व्यवस्था तथा व्यापक व्यवसायीकरण ने अनेक राष्ट्रपतियों को विस्तार वादी तथा साम्राज्यवादी मानसिकता का बना दिया है। अमेरिका की शक्ति संपन्नता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसे एक संवेदनहीन,लोकतांत्रिक एवं निरंकुश राष्ट्र के रूप में स्थापित कर चुकी है। अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में अमेरिका और विभिन्न काल खंडों में अलग-अलग देशों को एक दूसरे से युद्ध करने के उकसाने के लिए बदनाम रहा है, और उसकी इस इस कूटनीति का सबसे बड़े एवं तात्कालिक उदाहरण अफगानिस्तान में तालिबान आतंकवादियों का कब्जा एवं और रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन अमेरिकी तथा अमेरिकी समर्थित नैटो एवं यूरोपीय देशों की भूमिका ही रही है। इसी तरह इसराइल हमास युद्ध में इसराइल को खुला समर्थन देकर अमेरिका ने विस्तारवाद तथा साम्राज्यवाद की आग को हवा देने का काम किया है और लगभग 2 हजार लोगों की जान को जिंदगी से वंचित कर दिया है। दूसरी तरफ भारत एक विशाल लोकतांत्रिक देश होने के साथ-साथ शांति सौहार्द्र और गुटनिरपेक्षता का पक्षधर रहा है। भारत देश में सदैव वैश्विक शांति का संदेश ही दिया है, यह अलग बात है कि भारत में धार्मिक सामाजिक आर्थिक विविधता विषमता के कारण अंदरूनी विवादों तथा आतंकवादी गतिविधियों के कारण अशांत रहने पर मजबूर किया है। भारत की आंतरिक सुरक्षा भी पिछले 20 वर्षों से अलग-अलग शहरों यहां तक संसद भवन के हमलों और कश्मीर में विभिन्न समय तथा स्थानों पर आतंकवादी हमलों ने भारत की आंतरिक व्यवस्था में उथल-पुथल मचाने का प्रयास किया है, भारत की शक्ति और सामर्थ्य इतनी सक्षम है कि आतंकवादियों के हमलों का भारत सरकार ने समय-समय पर मुंहतोड़ जवाब भी दिया है। पठानकोट और पुलवामा हमले इसके सबसे सशक्त और सक्षम मामले हैं जहां भारत ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों को नष्ट किया है। जम्मू कश्मीर में भी छुटपुट घटनाओं के अलावा स्वतंत्रता के बाद से शांति का माहौल स्थापित हुआ है। जहां तक भारत की सीमा के विवाद का प्रश्न है तो भारत भौगोलिक रूप से एशिया के दक्षिणी भाग में स्थित है और भारत की सीमाएं 7 जिनमें चीन, नेपाल, म्यानमार,भूटान,श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान देश शामिल हैं। भारत सदैव अपने पड़ोसियों से शांति के संबंध स्थापित रखना चाहता है। भारत की विदेश नीति गुटनिरपेक्ष एवं शांति, सद्भावना की रही है। भारत के साथ पड़ोसी देशों में भूटान,बांग्लादेश श्रीलंका ,मालदीव ,सदैव भारत के साथ मित्रवत रहे हैं किंतु चीन तथा पाकिस्तान ने हमेशा भारत के हितों का नुकसान की चाहा है भूटान, बांग्लादेश, और बांग्लादेश ने भारत से अपने संबंध अपने हितों से जोड़कर कई संधियों में हस्ताक्षर किए ,जिसके कारण दोनों देशों ने मिलकर कई पावर प्लांट, पावर ट्रांसमिशन लाइन,1 बंदरगाह की विकास रेल लाइन निर्माण आदि में एक दूसरे का साथ दिया है। मालदीव एक एसा देश है जिसका दक्षिण तथा अरब सागर में सामरिक महत्व है, इसलिए भारत के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। चीन पाकिस्तान के अलावा नेपाल से भी भारत के संबंध बहुत मधुर कभी नहीं रहे हैं नेपाल में चीन तथा पाकिस्तान के हस्तक्षेप के कारण नेपाल भारत की आलोचना करता आया है। पाकिस्तान का इस्लामिक कट्टरपंथ एवं वहां की सेना तथा पाकिस्तानी शासन के हुक्मरान भारत को अपना दुश्मन नंबर एक मानते हैं। भारत का नेपाल के साथ सीमा विवाद है जिसके चलते नेपाल का नजरिया भारत के प्रति बदलता गया है। भारत और चीन के संबंध 1962 के बाद से सभी सामान्य नहीं रहे हैं। लाइन आफ एक्चुअल कंट्रोल में चीन ने अरुणाचल प्रदेश तथा लद्दाख में सदैव अतिक्रमण किया है और भारत का चीन से डोकलाम, पपेंगांग, गलवान क्षेत्रों में सैनिक स्तर का विवाद होता रहा है और एलएसी पर चीन और भारत में बड़ी संख्या में सैनिकों को तैनात किया है। इसी बात में अमेरिका भारत के साथ है किंतु रूस इस मामले में निरपेक्ष नीति अपनाए हुए हैं। यह अलग बात है कि अमेरिका भारत का स्वतंत्रता के बाद से तभी सहयोगी मित्र नहीं रहा है और रूस ने परंपरागत रूप से अपनी मित्रता भारत के साथ अलग-अलग घटनाओं तथा युद्धों में साबित की है। यह तो तय है कि भारत में आतंकी गतिविधियां आंतरिक सुरक्षा के लिए हमेशा खतरा बनी हुई थी और है। इसके अलावा एल ए सी तथा एलओसी में चीन तथा पाकिस्तान जैसे देशों से हमें मुकाबला करना होगा। पाकिस्तान दिवालिया होने की कगार पर है पर चीन की मदद तथा उकसावे के कारण पाकिस्तान भारत को एक बड़ा दुश्मन मानती है। वैसे तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत सरकार की सभी देशों से अच्छी मित्रता है एवं भारत को शांति का पक्षधर माना जाता है किंतु रूस यूक्रेन युद्ध में यह बात एकदम स्पष्ट उभर कर आई है कि किसी भी युद्ध में देश को अपनी सुरक्षा खुद की शक्ति एवं सामर्थ्य से करनी होगी। अमेरिका जैसे देश बाहर से तमाशा देखने वाले देशों में माने जाते हैं। अतः भारत को अपनी आंतरिक तथा सीमा की सुरक्षा स्वयं के शक्ति तथा सामर्थ से ही करनी होगी एवं हमेशा सतर्कता बरतनी होगी।

छत्तीसगढ़ के खेल सितारे पहुंच रहे हैं,मैदान से मेडल तक

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा विश्वस्तरीय खेल अधोसंरचना और खिलाड़ियों को दिए जा रहे प्रोत्साहन की बदौलत देश के खेल क्षितिज में छत्तीसगढ़ का नाम तेजी से उभर रहा है, इसके चलते नए-नए खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर अपना जौहर दिखा रहे हैं। राज्य के खिलाड़ियों को मैदानों से निकलकर मेडल तक का सफर तय करने में अब कम वक्त लग रहा है। इसका हालिया उदाहरण बैडमिंटन में आकर्षी कश्यप का है, जिन्होंने अपनी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चमक बिखेरी है। छत्तीसगढ़ में उपलब्ध सुविधाओं को देखते हुए बीसीसीआई ने दो अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैंच के आयोजन की घोषणा की है। पहली बार नवा रायपुर स्थित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में दो महीने के भीतर दिसंबर एवं जनवरी माह में भारत दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के विरूद्ध अंतर्राष्ट्रीय वन डे एवं टी-20 मैच खेलेगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता को 3 करोड़ रूपए, रजत पदक विजेता को 2 करोड़ रूपए और कास्य पदक विजेता को 1 करोड़ रूपए दिए जाने की घोषणा की है। एक समय में क्रिकेट में राजेश चौहान, हॉकी में सबा अंजुम सहित अनेक खिलाड़ियों ने छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई थी। इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान में क्रिकेट में शशांक सिंह और अमनदीप तथा हॉकी में रेणुका यादव,जैसे चमकते सितारे छत्तीसगढ़ से हैं। राज्य में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट स्टेडियम,हॉकी स्टेडियम,स्विमिंग पुल जैसी सुविधा उपलब्ध है तथा बैडमिंटन अकादमी निर्माणाधीन है।केंद्र सरकार की खेलो इंडिया और स्पोर्टस ऑथारिटी ऑफ इंडिया के साथ छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा खेल प्रतिभाओं को तराशने के लिए प्रदेश में एक मज़बूत ढांचा खड़ा किया जा रहा है। रायपुर स्थित तीरंदाजी और बालिका हॉकी अकादमी में 80 खिलाड़ियों को निःशुल्क प्रशिक्षण, आवास, भोजन और शिक्षा की सुविधा दी जा रही है। गैर-आवासीय अकादमियों में 130 से अधिक खिलाड़ी विभिन्न खेलों में प्रशिक्षण ले रहे हैं। बिलासपुर स्थित बहतराई केंद्र को भारत सरकार द्वारा स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का दर्जा दिया गया है, जहां 180 खिलाड़ी हॉकी, एथलेटिक्स, तीरंदाजी और कबड्डी में अभ्यासरत हैं। साथ ही, शिवतराई स्थित उपकेंद्र में 45 खिलाड़ी तीरंदाजी की बारीकियाँ सीख रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर पर भी छत्तीसगढ़ की चमक बढ़ी है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स और पैरा गेम्स में प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

-हीरा देवांगन-

कविता
नवा पंथ बनाबो...

घटती-घटना

लक्ष्मी नारायण सेन
खुटेरी गरियाबंद
छत्तीसगढ़

जात पात ला हम भुलाबो मानवता मा माथ झुकाबो
दीनदुखी ला गला लगाबो चलो नवा पंथ हम बनाबो।।
उच्च नीच के भाव मिटाबो जरूरतमंद मा धन लुटाबो
सुख-दुख मा हाथ बटाबो चलो नवा पंथ हम बनाबो।।
जुरमिल के सब हम रहिबो एक दुसरा के सहारा बनबो
देश ला शिखर मा पहुंचाबो चलो नवा पंथ हम बनाबो।।
क्षेत्रीय के राग ला मिटाबो हिंदुस्तानी के धुन चलाबो
केवल भारत के गुन गाबो चलो नवा पंथ हम बनाबो।।
जातिवाद ला खत्म करबो वंशवाद ला हम भगाबो
संविधान के रद्दा मा जाबो चलो नवा पंथ हम बनाबो।।
विदेशी जिनीश ला छोड़बो स्वदेशी समान ला अपनाबो
रूपिया के मान सब बढ़ाबो चलो नवा पंथ हम बनाबो।।
काशी काबा हम जाबो मंदिर मस्जिद हम बनाबो
नरियर चदर सब चढ़ाबो चलो नवा पंथ हम बनाबो।।

कविता
काबर साथ दिही ...

घटती-घटना

राजेन्द्र लहिरी
पामगढ़
छत्तीसगढ़

ओखरे पेट म लात मारे के
करत हवस तैयारी,
आसिरवाद लेहे बर
घोंडत हस ओखर गोड़ म
का हवय तोला बीमारी,
राजनीति करत हस तैं हर
कइसे हम पतियाबो,
तोर करम कुकरम ल देखेहन बाबू
आउ धोखा काबर हम खाबो,
अपन बाप ल बाप नइ कहस
दूसर ल बाप बनाथस,
एक गोठ म खड़े नई रहस
सपना भारी देखाथस,
नंगरा हस तैं जनमजात ले
भरोसा करे के काबिल नई हस,
जब जब सत्ता मिलिस हे तोला
हाथ गोड़ तैं हमरे टोरेहस
हमर बिस्वास म शामिल नई हस,
सरबस नास करे के नीति ओखर
ओही नियम ल तहूं अपनाथस,
जात पात ल कोरा म धर के
सपना हमला बड़े देखाथस,
हमर भरोसा जीते बर अउ
पहिरना हे मुड़ी हमर हाथ ले साफी,
तभे भरोसा करबो हम हर
जब घोलण्ड घोलण्ड के मांगबे माफी,
फेर एतका कन नई हे तोर म दम,
जीईच मरिस हे जउन हमर बर
ओही ल अघुवा मानबो फेर हम।

संविधान की प्रस्तावना पर संघ का प्रश्न या भारत की आत्मा पर चोट?

अजय कुमार
लखनऊ,उत्तर प्रदेश

भारतीय राजनीति में जब भी संविधान को लेकर कोई सवाल उठता है, तब वह बहस सिर्फ कानून की सीमाओं तक सीमित नहीं रहती बल्कि वह देश की आत्मा और उसकी पहचान से जुड़ जाती है। हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यवाहक दत्तात्रेय होसबाले ने जो बयान दिया,उसने न केवल संविधान की प्रस्तावना बल्कि स्वतंत्र भारत की विचारधारा को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि संविधान की प्रस्तावना में जो 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द 1976 में इमरजेंसी के दौरान जोड़े गए थे,वे शब्द उस दौर की तानाशाही में बिना जनता की सहमति के थोपे गए थे और अब समय आ गया है कि इन शब्दों को हटाने पर गंभीर विचार किया जाए। उनका यह बयान प्रतीकात्मक नहीं बल्कि एक वैचारिक लड़ाई की ओर संकेत करता है जो अब साफ तौर पर राष्ट्र की पहचान पर केंद्रित हो गई है। जब इमरजेंसी लगाई गई थी तब देश के लोकतांत्रिक संस्थानों को कुचल दिया गया था। प्रेस की आजादी खत्म कर दी गई थी, विपक्षी नेताओं को जेलों में बंद कर दिया गया था और संसद मात्र एक औपचारिकता बन कर रह गई थी। ऐसे समय में जब नागरिकों की आवाज़ को दबा दिया गया था, तब 42 वें संविधान संशोधन के माध्यम से प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द जोड़े गए थे। यही वह आधार है जिस पर संघ का कहना है कि यह बदलाव लोकतंत्र के विरुद्ध था और इसीलिए अब इन्हें हटाने की आवश्यकता है। दत्तात्रेय होसबाले के बयान के बाद कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की ओर से तीखी प्रतिक्रियाएं आईं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि संघ 1949 से ही संविधान का विरोध करता आ रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संघ समर्थकों ने पंडित नेहरू और डॉ. भीमराव आंबेडकर के पुतले तक जलाए थे। वहीं कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर ने इसे संघ की 'मनुस्मृति आधारित भारत' की सोच का हिस्सा बताया और कहा कि यह प्रयास दरअसल भारत के बहुलतावादी और समावेशी स्वरूप को मिटाने की दिशा में एक कदम है। लेकिन इस पूरे विवाद को केवल राजनीतिक प्रतिक्रियाओं के संदर्भ में देखना एक सीमित दृष्टिकोण होगा क्योंकि यह बहस आज की नहीं है, इसका इतिहास उस समय से है जब संविधान सभा में ही इन शब्दों को लेकर मतभेद थे। संविधान सभा के सदस्य प्रोफेसर केटी शाह ने समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष शब्दों को प्रस्तावना में शामिल करने का प्रस्ताव रखा था। उनका मानना था कि इन शब्दों से संविधान की दिशा और नीति स्पष्ट होगी। लेकिन डॉ. भीमराव आंबेडकर ने इसका विरोध किया था। उन्होंने कहा था कि इन शब्दों को संविधान में जोड़ना लोकतंत्र के लचीलेपन को नुकसान पहुंचाएगा। उन्होंने तर्क दिया था कि समाजवाद जैसे शब्द किसी एक आर्थिक विचारधारा को बाध्यकारी बना देंगे जबकि लोकतंत्र में नीति तय करने का अधिकार जनता और समय के अनुसार सरकारों के पास होना चाहिए। डॉ. आंबेडकर ने यह भी स्पष्ट किया था कि समाजवादी मूल्यों की झलक संविधान के नीति निर्देशक तत्वों में पहले से ही मौजूद है और धर्मनिरपेक्षता की गारंटी मौलिक अधिकारों के माध्यम से दी गई है। इसलिए इन शब्दों को प्रस्तावना में जोड़ना अनावश्यक है। इसी तरह जवाहरलाल नेहरू ने भी इन शब्दों को प्रस्तावना में जोड़ने की कभी सिफारिश नहीं की थी। उनका मानना था कि भारतीय संविधान का ढांचा ही धर्मनिरपेक्ष और समावेशी है और यह बिना कहे ही सभी नागरिकों को समानता की गारंटी देता है। लेकिन 1976 में जब देश इमरजेंसी के दौर से गुजर रहा था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 42वें संविधान संशोधन के माध्यम से इन शब्दों को प्रस्तावना में जोड़ दिया। उस समय संसद में विपक्ष लगभग नगण्य था, जन प्रतिनिधित्व निष्क्रिय था और विरोध की आवाज़ें दबा दी गई थीं। सरकार ने इसे 'कल्याणकारी राज्य' की प्रतिबद्धता बताया लेकिन विपक्ष और अनेक संवैधानिक विशेषज्ञों ने इसे सत्ता के दुरुपयोग का प्रतीक बताया।
हालांकि इमरजेंसी के बाद 1977 में जब जनता पार्टी सत्ता में आई, तब वह चाहे तो इन शब्दों को प्रस्तावना से हटा सकती थी, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। यह भी इस बहस का एक दिलचस्प पक्ष है। सुप्रीम कोर्ट ने केशवानंद भारती बनाम केरल सरकार केस 1973 में प्रस्तावना को संविधान का अभिन्न अंग माना और कहा कि संविधान संशोधन तो संभव है लेकिन संविधान के मूल ढांचे से छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। वहीं 2024 में बलराम सिंह बनाम भारत सरकार केस में भी सुप्रीम कोर्ट ने 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों को हटाने की याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने कहा था कि संविधान एक जीवंत दस्तावेज़ है जो समय के साथ बदल सकता है और संसद को संशोधन का अधिकार है बशर्ते वह मूल संरचना को क्षति न पहुंचाए। कोर्ट ने यह भी दोहराया कि भारत का धर्मनिरपेक्ष चरित्र संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 में निहित है और राज्य किसी धर्म विशेष का समर्थन नहीं करेगा। लेकिन वैचारिक तौर पर यह बहस अभी समाप्त नहीं हुई है। भारतीय जनता पार्टी और उसके वैचारिक स्रोत संघ के अनेक नेताओं का मानना है कि 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द भारत की बहुसंख्यक परंपरा को नकारता है और इसके जरिए तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा मिला है। वहीं समाजवाद के नाम पर सरकारी नियंत्रण,लाइसेंस राज और निजी उद्यमिता के दमन का इतिहास भी याद दिलाया जाता है। दूसरी ओर,कांग्रेस और विपक्षी दलों का कहना है कि ये शब्द संविधान के आदर्शों की व्याख्या करते हैं और भारत की विविधता को संरक्षण देते हैं। उनका मानना है कि यदि इन शब्दों को हटाया गया तो संविधान की आत्मा को गहरी चोट पहुंचेगी और यह देश को विभाजित करने वाली सोच की ओर ले जाएगा।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

ग्राम पंचायत खैरबार राजस्व रिकॉर्ड से गायब,लंबे समय से लोग परेशान

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 जून 2025 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर शहर से लगे ग्राम पंचायत खैरबार को वन ग्राम से राजस्व ग्राम घोषित किए जाने को लेकर लंबे समय से ग्रामीण मांग करते आ रहे हैं पर यह पंचायत छत्तीसगढ़ का ऐसा पंचायत है जो राजस्व रिकॉर्ड से ही गायब है। इसको लेकर काफी दिनों से कवायद हो रही है पर अंतिम सूचना प्रशासन के बावजूद राजस्व ग्राम घोषित नहीं हो सका है। इस मामले को लेकर सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज शनिवार को ग्राम खैरबार पहुंचे

» काफी दिनों से कवायद हो रही है पर अंतिम सूचना प्रशासन के बावजूद राजस्व ग्राम घोषित नहीं हो सका...

» मामले को लेकर सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज ग्राम खैरबार पहुंचे थे...

और पंचायत भवन में चौपाल लगाई। ग्रामीणों से बातचीत करने के बाद उन्होंने राजस्व विभाग के अधिकारियों को तलब किया और पूरे रिकॉर्ड के साथ वन ग्राम से राजस्व ग्राम किए जाने की प्रक्रिया की जानकारी ली। राजस्व अधिकारियों ने अवगत कराया कि लगभग सभी प्रक्रियाएं पूरी हो गई हैं। प्रथम प्रकाशन के बाद दावा आपत्ति आया, जिसका निराकरण भी कर दिया गया है। कुछ प्रकरण न्यायालय में लंबित हैं इस कारण उसे निराकरण नहीं किया जा सका है किंतु सामान्य आपत्तियों को दूर कर अंतिम प्रकाशन भी हो चुका है। अब इसे राज्य शासन को भेजा जाना है ताकि यह गजट नोटिफिकेशन में आ जाए और राजस्व ग्राम घोषित हो जाए। सांसद चिंतामणि महाराज ने मौके पर

मौजूद एसडीएम फागेश सिन्हा, अधीक्षक भू अभिलेख सहित राजस्व अमले को निर्देशित किया है कि अंबिकापुर शहर के सबसे नजदीक का ग्राम इतनी गंभीर समस्या से जूझ रहा है। इसे तत्काल दुरुस्त किया जाए और राजस्व ग्राम घोषित किया जाए। उन्होंने इसको लेकर कलेक्टर विलास भोसकर से भी बातचीत की है। पहली बार ग्राम पंचायत खैरबार को वन ग्राम से राजस्व ग्राम घोषित किए जाने किसी जनप्रतिनिधि ने पहल की है और इस मामले को लेकर सीधे गांव पहुंचकर ग्रामीणों के साथ राजस्व अधिकारियों कर्मचारियों से चर्चा की है। सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा है कि यह काफी बड़ी पंचायत है। 1 ग्राम होने से ग्रामीणों को कई समस्याएं आ रही है विभिन्न प्रकार के प्रमाण-पत्र नहीं बन पा रहे। भूमि की खरीद बिक्री नहीं हो पा रही लंबे समय से यहां के लोग परेशान हैं। राजस्व ग्राम घोषित होने के बाद ग्राम में विकास भी होगा। सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज से ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं भी बताई। ग्राम में असामाजिक तत्वों की दखल और वन भूमि पर बेतहाशा कब्जे की भी जानकारी दी। मौके पर उन्होंने अधिकारियों को तलब कर वन भूमि पर हो रहे अतिक्रमण हटाने और ग्राम पंचायत में शांति सुरक्षा बनाए रखने कहा है।

एक ही भूमि की कई लोगों से अनुबंध कर राशि हड़पने की कोशिश:नीलेश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 जून 2025 (घटती-घटना)।

विवादित भूमि मामले में नीलेश सिंह ने शनिवार को शहर के कैलाश मंगलम में प्रेस वार्ता आयोजित कर कहा है कि हमारे ऊपर यह आरोप लगाया गया है कि हमने कलावती और चंद्रमणि कुशवाहा की भूमि क्रय करने के पश्चात उसका संपूर्ण प्रतिफल (विक्रय मूल्य) प्रदान नहीं किया है। जबकि सच्चाई यह है कि हमने विक्रय पत्र में उल्लेखित पूर्ण विक्रय मूल्य का भुगतान कलावती और चंद्रमणि कुशवाहा को चेक के माध्यम से किया है। इस भुगतान की स्वीकारोक्ति स्वयं प्रार्थीया ने थाना, न्यायालय एवं अपने अन्य आवेदन में की है।

उन्होंने बताया कि कलावती और चंद्रमणि द्वारा भूमि हमें विक्रय करने के पश्चात भी कई अन्य लोगों के साथ उसी भूमि का विक्रय हेतु

अनुबंध किया गया और उनसे राशि भी प्राप्त कर ली है। इस पूरे प्रकरण की विस्तृत जांच पुलिस महानिरीक्षक के निर्देश पर कराई गई थी,जिसमें हमें किसी भी प्रकार का अपराध करते नहीं पाया गया। परिणामस्वरूप, पुलिस महानिरीक्षक द्वारा इस शिकायत को नस्तीबद्ध कर दिया गया था। आगे उन्होंने कहा कि कलावती और चंद्रमणि द्वारा अन्य व्यक्तियों से अनुबंध करने के कारण थाने एवं सिविल कोर्ट, अंबिकापुर में उनके के विरुद्ध सिविल एवं आपराधिक प्रकरण विचाराधीन हैं जबकि आज तक उन्होंने हमारे विरुद्ध कोई भी सिविल वाद प्रस्तुत नहीं किया है।निलेश सिंह ने बताया कि हमारी रजिस्ट्री संपन्न होने के दिन से लेकर आज तक प्रार्थीया अथवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उस रजिस्ट्री की वैधता को चुनौती देते हुए न तो कोई वाद न्यायालय में प्रस्तुत किया गया और न ही कोई वाद लंबित है।

उन्होंने कहा कि अन्य व्यक्तियों से अनुबंध कर ली गई राशि को लौटाने की जिम्मेदारी से बचने के लिए तथा हम पर अनुचित दबाव डालने हेतु कलावती और चंद्रमणि कुशवाहा ने हमारे विरुद्ध झूठी शिकायत दर्ज कराई है। वास्तव में, विक्रय मूल्य की पूरी राशि हमसे प्राप्त कर लेने के बाद भी वो अतिरिक्त राशि की प्राप्ति के उद्देश्य से इस प्रकार का दबाव बना रही है।

विवाहिता ने अपने पति, सास व ससुर पर दर्ज कराई दहेज प्रताड़ना की रिपोर्ट

अंबिकापुर,28 जून 2025 (घटती-घटना)।

विवाहिता ने अपने पति, सास व ससुर पर दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए महिला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता ने ससुराल वालों पर दहेज में 10 लाख रुपए मांगने व बच्ची जन्म लेने पर घर से निकाल देने का आरोप लगाई है। पुलिस मामले में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार सीमा यादव पति विनोद यादव उम्र 25 वर्ष निवासी ग्राम सौनी थाना बलरामपुर की रहने वाली है। वह पुलिस को बताया है कि इसकी शादी 21 अप्रैल 2024 को विनोद यादव से हुई थी। शादी में सीमा के पिता ने दहेज में 2 लाख रुपए नकद व 1 लाख रुपए का घरेलू सामान दिया था। शादी के बाद उसका पति दहेज को लेकर प्रताड़ित करता था। जनवरी 2025 में पीड़िता के लडक़ी जन्म लेने पर ससुराल वाले लडक़ी पैदा किए हो कह कर प्रताड़ित करते थे। पीड़िता परेशन होकर मायके चली गई और मामले की जानकारी अपने पिता को दी। पिता उसके ससुराल वालों से बात की तो उससे गाड़ी खरीदने के लिए 10 लाख रुपए की मांग करने लगे। पीड़िता के पिता ने कुछ दिनों बाद जब उसके ससुराल वालों से बात की और उसे वापस ले जाने के लिए बोला। पति पत्नी को लाने से इंकार कर दिया। इसके बाद पीड़िता को पता चला की उसका पति दूसरी शादी कर लिया है। पीड़िता ने अपने पति विनोद यादव, ससुर भगवत यादव व सास अन्तिया देवी के खिलाफ महिला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पूर्व जमीन विवाद पर युवक के अपहरण मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 जून 2025 (घटती-घटना)।

पूर्व जमीन विवाद पर युवक के किए गए अपहरण के मामले में गांधीनगर पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अब तक दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। हेमा मालिनी निवासी नमनाकला हाउसिंग बोर्ड थाना गाँधीनगर द्वारा 26 जून को थाना गांधीनगर आकर गुम इंसान रिर्पोट दर्ज कराई कि सूचक का पति शंकर दयाल रवि 25 जून को घर से दोपहर करीब 11.30 बजे काम करने जा रहा हूं कहकर घर से अपने कार निकले थे, जो अभी तक वापस नही आये है। जांच दौरान पुलिस टीम कों 26 जून को गवाहो के कथन पर गुमशुदा को फिरोती हेतु किडनैप किये जाने की जानकारी मिली जो गुमशुदा के पतासाजी दौरान साड़बाड़ मंदिर के पास होने की जानकारी प्राप्त हुई, पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौक़े पर रवाना होकर घेराबंदी की गई जो मौक़े पर आरोपियों के कब्जे से अपहृत शंकर दयाल रवि कों सकुशल बरामद किया गया, घेराबंदी के दौराना कुछ आरोपीगण पुलिस को देखकर मौक़े से भाग गए और उनमे से एक व्यक्ति कों पकड़ा गया है, जिससे पूछताछ करने पर अपना नाम मोती राम यादव आत्मज दशरथ राम उम्र 45 वर्ष साकिन रामपुर थाना मणिपुर का होना बताया, आरोपी से घटना

के सम्बन्ध मे पुछताछ किये जाने पर बताया कि मामले मे शामिल आरोपी द्वारा जमीन बिक्री करने की बात पर शंकर दयाल रवि से संपर्क कर अपने अन्य तीन साथियों के साथ 26 को नमनाकला थाना गांधीनगर में आकर शंकर दयाल रवि कों जमीन मालिक से मिलाने की बात बोलकर अपहृत के कार टाटा नेक्सान कमांक सीजी/15/डीव्ही/7100 से मिलवाने लेकर गये। उसके बाद अपहृत शंकर दयाल रवि को कटटा दिखाकर उसी के कार के पीछे हाथ व चेहरा बांधकर बैठा कर कही अन्यत्र लेकर चले गये। फिर जशपुर तरफ लेकर गये जहां बहादुर जायसवाल अपने अन्य साथियो के साथ एक बलोनो कार से आकर गुमशुदा को एक कमरे में ले जाकर मारपीट कर पूर्व जमीन विवाद की बात पर 5 करोड़ रूपये की मांग करने लगा और सादे स्टाम्प पर हस्ताक्षर कराया। कि दिनांक 26 जून 5 को आरोपीगण रूपये की मांग करने लगे और रास्ते में बहादुर जायसवाल फिर से कागज में हस्ताक्षर करवाया। अपहरण करने वाले आरोपीगण अपहृत को उसके मोबाईल से कॉल करके घर पर बातचीत कराकर रूपये की मांग किये उसके बाद साड़बार मंदिर के पास ले जाकर अंगूठी,चैन व ब्रेसलेट निकलवाकर रख लिये। जिसके बाद तकनिकी सहायता के आधार पर पुलिस टीम द्वारा दबिश दिये जाने पर अपहृत शंकर दयाल रवि की बरामदगी की गई थी, जांच दौरान गुमशुदा शंकर दयाल रवि को आरोपी बहादुर जायसवाल, मोतीराम यादव व अन्य आरोपियों द्वारा अपहरण कर मारपीट कर फिरौती की मांग करना पाया गया,आरोपियों के विरूद्ध प्रथम दृष्टंया अपराध घटित करने का साक्ष्य पाये जाने से थाना गांधीनगर मे मामले मे अपराध क्रमांक 369/25 धारा 140(2), 140(3) बी. एन. एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा प्रार्थी एवं अपहृत का कथन लेख कर घटनास्थल का निरीक्षण किया गया,आरोपी मोतीराम यादव से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ किया गया। जो आरोपी मोतीराम यादव के कथन/मेमोरण्डम पर आरोपी बहादुर जायसवाल के संलिप्तता का साक्ष्य पाया गया। जो आरोपी बहादुर जायसवाल को हिरासत में लेकर पुछताछ किया गया जो आरोपी द्वारा अपना नाम बहादुर जायसवाल आत्मज स्व.अमृत जायसवाल उम्र 65 वर्ष साकिन सत्तीपारा थाना अंबिकापुर* का होना बताया, जो आरोपी द्वारा घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, दोनों आरोपियों के पेश करने पर घटना दिवस को उपयोग किये मोबाईल मय सीम जप्त किया गया है एवं अपहृत से जबरन हस्ताक्षर कराये सादे स्टाम्प को भी बहादुर जायसवाल के कब्जे से जप्त किया गया है। प्रकरण की विवेचना दौरान पाया गया कि आरोपीगण योजना बनाकर अपहृत को पूर्व जमीन विवाद के कारण रूपये उगाही करने हेतु अपहरण किये है जो प्रकरण में धारा 61 (2) बीएनएस जोड़ी गयी है, आरोपियों के विरूद्ध अपराध सबूत पाये जाने से प्रकरण मे गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय मे पेश किया जाता है, मामले मे अन्य आरोपी घटना दिनांक से फरार है, शेष आरोपियों का सरगर्मी से पता तलाश किया जा रहा है फरार आरोपियों कों जल्द गिरफ्तार कर लिया जायगा।

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत ग्राम सोनपुर,चपदा, मायापुर,पार्वतीपुर इत्यादि स्थानों पर शिविर का किया गया आयोजन

- संवाददाता -
सूरजपुर,28 जून 2025 (घटती-घटना)।

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत सूरजपुर जिले के चिन्हित जनजातीय गांवों में व्यापक स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों का उद्देश्य आदिवासी अंचलों में बुनियादी सुविधाएं,स्वास्थ्य,शिक्षा तथा आजीविका जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आदिवासी समुदायों को लाभान्वित कर आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देशन में जिले के विभिन्न विकास खण्डों में अभियान अंतर्गत शिविरों का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है। आज विकासखंड भैयाथान के ग्राम बुंदिया, धरमपुर,लक्ष्मीपुर,सुदामा नगर, सोनपुर एवं राई में शिविर लगाए गए। वहीं विकासखण्ड ओड़गी के कर्री,चपदा,कुप्पी एवं धरसेडी में भी ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी गई तथा लाभ प्रदान किए गए। विकासखण्ड प्रतापपुर के ग्राम सोनगरा, श्याम नगर, सकलपुर, शंकरपुर,मायापुर,झिंगादोहर, बंशीपुर,दुरती, मरहटा, सेंधापारा, पंडरीडांड एवं कोरंधा में भी धरती आबा अभियान के तहत शिविर

आयोजित कर जनजातीय समुदायों को लाभ पहुंचाया गया।

इसी क्रम में विकासखण्ड प्रेमनगर के ग्राम कोतल, उमेश्वरपुर, पार्वतीपुर, लक्ष्मीपुर, वृन्दावन, अनन्तपुर एवं बकालो में और विकासखंड रामानुजनगर के ग्राम तिवरागुडी, मकरबंधा, पिवरी एवं बकना में भी शिविरों का आयोजन किया गया। विकासखण्ड सूरजपुर के ग्राम तुलसी मोहनपुर, हरिपुर, मंजीरा,छतरपुर, रामेश्वरपुर एवं पोडिपा में में भी शिविरों के माध्यम से योजनाओं की जानकारी और लाभार्थियों को सेवाएं प्रदान की गई। धरती आबा अभियान के इन शिविरों में संबंधित विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी रही।

रामचरितमानस और भगवद् गीता का नियमित पाठ से होता है मंगल व जन्यकल्याण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 जून 2025 (घटती-घटना)।

महर्षि विद्या मंदिर विद्यालय परिवार द्वारा महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान के तहत सुन्दरकाण्ड पाठ एवं हनुमान चालीसा का आयोजन किया गया। महार्षि विद्या मंदिर विद्यालय समूह के अध्यक्ष वेद विद्या मार्तण्ड ब्रह्मचारी डा. गिरीश के मार्गदर्शन एवं विद्यालय प्राचार्य हेमेन्द्र मिश्रा के दिशा निर्देशन में 'माजा' कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक, अभिभावक एवं आसपास के नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत गुरुपूजन से हुई। ध्यान एवं सिद्धि प्रशासक सुनील गुप्ता ने सामूहिक प्राणायाम एवं ध्यान कराया। ध्यानोपरान्त उन्होंने भावातीत ध्यान से होने वाले विभिन्न लाभों को बताया। तत्पश्चात् विद्यालय शिक्षिका एवं माजा संयोजक सोनी झा ने ÷माजा÷ का परिचय एवं इसके मूल उद्देश्यों से सभी की अवगत कराया। उन्होंने बताया कि माजा केवल संगठन ही नहीं अपितु यह महर्षि आध्यात्मिक जनजागरण अभियान है। एक ऐसा आंदोलन जो व्यक्ति के आत्मविश्वास से राष्ट्र की पुनर्रचना की एक दिव्य यात्रा है। यह आंदोलन व्यक्ति के भीतर चेतना की लौ जलाकर समाज और राष्ट्र को आलोकित करने का सत्प्रयास करता है। इस शुभ अवसर पर राधा कृष्ण सेवा समिति अम्बिकापुर की कथा वाचिका अंजली मिश्रा दीदी ने छात्रों की प्रशंसा की और प्राचार्य से निवेदन किया कि ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से कराएं। उन्होंने कहा कि माजा का उद्देश्य मात्र यही है कि घर-घर में रामचरितमानस और भगवद् गीता का नियमित पाठ हो, जिससे घर समाज एवं राष्ट्र के वातावरण में सात्विक गुण की प्रधानता विकसित हो जिससे लोक मंगल एवं जनकल्याण हो सके।

पीएम सूर्य घर योजना से ओमप्रकाश उपाध्याय को मिली ऊर्जा स्वतंत्रता

- संवाददाता -
सूरजपुर,28 जून 2025 (घटती-घटना)।

भारत सरकार द्वारा 29 फरवरी 2024 को शुरू की गई पीएम सूर्य घर- मुफ्त बिजली योजना÷ का उद्देश्य देश के आवासीय घरों को अपनी बिजली स्वयं उत्पन्न करने के लिए सशक्त बनाना है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत 3 किलोवाट तक के सोलर रूफटॉप सिस्टम पर 60 प्रतिशत तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है, जिससे नागरिकों को आर्थिक रूप से राहत मिल रही है और अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा भी मिल रहा है।

इस योजना का प्रत्यक्ष लाभ

उठाते हुए सतपता,विश्रामपुर के निवासी श्री ओमप्रकाश उपाध्याय ने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सौर पैनल सिस्टम स्थापित कराया है। उन्होंने 7 मार्च 2025 को योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था, जिसके बाद डिस्कॉम के पंजीकृत वेंडर द्वारा सिस्टम लगाया गया।

श्री उपाध्याय के अनुसार, उनके घर में रोज़ाना लगभग 12 से 13 यूनिट बिजली की खपत होती है, जबकि उनका सोलर सिस्टम 17 से 19 यूनिट प्रतिदिन बिजली उत्पन्न कर रहा है। नतीजतन, उनका बिजली बिल न केवल शून्य हो गया है बल्कि माइनस में चल रहा है, जिससे उन्हें हर महीने क्रेडिट यूनिट का लाभ भी मिल रहा है। वे कहते हैं, यह योजना वास्तव में आम जनता के लिए एक वरदान है। हर परिवार को इसका लाभ जरूर लेना चाहिए। इससे न केवल बिजली के खर्च से मुक्ति मिलती है, बल्कि पर्यावरण की रक्षा में भी योगदान होता है।÷

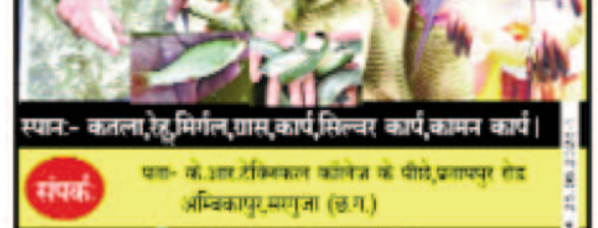

सिर्फ पांच पोस्ट और सैकड़ों की भीड़,भारतीय महिला ने दिखाई कनाडा की हकीकत,बोली...नौकरी के लिए...

नई दिल्ली,28 जून 2025। भारत ही नहीं बल्कि कई अन्य देशों से लोग रोजगार और नौकरी की तलाश में कनाडा रूख करते हैं। कई लोगों का मानना है कि यहां पर नौकरी और रोजगार के तमाम अवसर हैं। हालांकि, एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जो कुछ और दिखा रहा है।

दरअसल, कनाडा में रहने वाली एक भारतीय महिला ने इंस्टाग्राम पर नौकरी मेले के बाहर आवेदकों की लंबी कतार का एक वीडियो साझा किया। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि केवल कुछ पदों की नौकरी के लिए सैकड़ों की संख्या में लाइन में लगे हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

इस सोशल मीडिया क्लिप में वह महिला कई भारतीयों के बीच एक आम धारणा को संबोधित करते हुए कहती हैं कि विदेशी देश प्रचुर मात्रा में नौकरी के अवसर और बेहतर जीवन शैली की गारंटी देते हैं, और इसे कई अंतरराष्ट्रीय छात्रों के सामने आने वाली चुनौतीपूर्ण वास्तविकता से अलग करती है।

अपना भारत सबसे अच्छा

इस वीडियो क्लिप में महिला कहते हुए नजर आती है कि दोस्तों, हमारे जो भारतीय दोस्त या रिश्तेदार हैं, उन्हें लगता है कि कनाडा में बहुत सारी नौकरियां और पैसे हैं, उन्हें यह वीडियो दिखाना चाहिए।

महिला ने अपने वीडियो में रोजगार मेले के बाहर नौकरी मांगने वालों की लंबी कतार दिखाती है। महिला ने कहा कि नौकरी का अवसर बुनियादी इंटर्नशिप के लिए है और केवल 5 से 6 लोगों को काम पर रखा जाएगा। महिला कहती है,यह कनाडा की सच्चाई है। अगर आप इसके लिए तैयार हैं, तो कनाडा आ जाइए-नहीं तो भारत बेहतर है।

वहीं, इस वीडियो के कैप्शन में उन्होंने लिखा कि विदेश में जीवन हमेशा एक सपना नहीं होता। कभी-कभी यह सिर्फ... एक लंबी कतार होती है।

कानाडा की हकीकत सामने आई

सामने आई इस वायरल क्लिप ने कनाडा में नौकरी के संकट और बढ़ती बेरोजगारी को उजागर किया है। एक सोशल मीडिया यूजर ने वीडियो के कमेंट सेक्शन में लिखा लोगों को सच्चाई बताने वाला पहला ईमानदार वीडियो जो मैंने देखा। अन्य प्रभावशाली लोग लोगों को कनाडा जाने के लिए गलत जानकारी और धारणा देने की कोशिश कर रहे हैं

वहीं,एक अन्य यूजर ने लिखा कि टोरंटो में भी यही स्थिति है। जीवित रहने के लिए नौकरियों के लिए भी, यह एक लंबा इंतजार है, एक अन्य ने टिप्पणी की। हर कोई सोचता है कि यह अवसरों की भूमि है जब तक कि वे वास्तविकता को नहीं देखते।

इजरायल ने गाजा में फिर बरपाया कहर

- हमले में मारे गए 34 लोग, अब तक 56 हजार से अधिक लोगों की हुई मौत
- शुक्रवार को इजरायल ने फिर किया गाजा पर हमला
- इजरायल के हमले में गाजा में मारे गए 34 लोग

गाजा,28 जून 2025। शुक्रवार देर रात और शनिवार सुबह तक गाजा पर किए गए इजरायली हमले में लोगों की मरने की खबर सामने आई है। शिफा अस्पताल के कर्मचारियों के अनुसार,गाजा शहर के फलिस्तीन स्टेडियम में 12 लोगों की मौत हो गई।

स्वास्थ्य कर्मचारियों का कहना है कि इस हमले में गाजा में कम से कम 34 लोगों की मौत हुई है। अस्पताल के अनुसार, दक्षिणी गाजा में मुवासी में विस्थापित लोगों के लिए लगाए गए तंबू पर हमले में 6 लोगों की मौत हुई है।

ट्रंप ने युद्धविराम की कही है बात

इजरायल द्वारा यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अगले सप्ताह के भीतर युद्धविराम समझौता हो सकता है। शुक्रवार को ओवल ऑफिस में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा, ÷हम गाजा पर काम कर रहे हैं और इसे संभालने की कोशिश कर रहे हैं।

स्थिति की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया कि इजरायल के सामरिक मामलों के मंत्री रॉन डर्मर गाजा के युद्ध विराम, ईरान और अन्य विषयों पर बातचीत के लिए अगले सप्ताह वाशिंगटन पहुंचेंगे।

अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बात की है, क्योंकि उन्हें मीडिया से बात करने की अनुमति नहीं थी। गाजा में करीब 50 बंधक बचे हैं, माना जा रहा है कि उनमें से आधा से भी कम लोग जीवित बचे हैं। ये सभी लोग 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इजरायल पर हमला किए जाने के बाद बंधक बनाए गए करीब 250 लोगों में से थे, जिसके बाद 21 महीने तक युद्ध चला। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस युद्ध में 56 हजार से अधिक फलिस्तिनी मारे गए हैं।

कनाडाई प्रधानमंत्री ने अमेरिका के साथ व्यापार वार्ताओं को बताया जटिल

ओटावा,28 जून 2025। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कनाडा के साथ सभी व्यापार वार्ताओं को खत्म करने और %संभावित नए टैरिफ' लगाने की घोषणा पर प्रतिक्रिया दी है। मार्क कार्नी ने अमेरिका के साथ चल रही इस नेगोशिएशन को %जटिल' बताया है। कार्नी ने स्थानीय मीडिया से कहा, हम कनाडाई लोगों के सर्वोत्तम हित में इन जटिल वार्ताओं को जारी रखेंगे। यह एक नेगोशिएशन है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार,ट्रंप ने शुक्रवार को घोषणा की है कि यूनाइटेड स्टेट, यूएस टेक कंपनियों पर कनाडा के डिजिटल सर्विस टैक्स के कारण कनाडा के साथ सभी व्यापार वार्ता खत्म कर देगा।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि अमेरिकन टेक्नोलॉजी कंपनियों पर कनाडा का डिजिटल सर्विस टैक्स अमेरिका पर एक सीधा और स्पष्ट हमला है। 30 जून से लागू होने वाले डिजिटल सर्विस टैक्स के तहत अमेजन, गूगल, मेटा, उबर और एयरबीएनबी जैसी अमेरिकन कंपनियों को कनाडाई यूजर्स से होने वाले रेवेन्यू पर तीन प्रतिशत शुल्क देना होगा। कनाडा और संयुक्त राज्य अमेरिका ट्रंप से कनाडाई वस्तुओं पर टैरिफ हटाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। इसके चलते पहले से ही बड़ी आर्थिक गिरावट आई है। स्टैटिक्स कनाडा के अनुसार, अप्रैल में कनाडा का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद 0.1 प्रतिशत कम हुआ है। ट्रांसपोर्टेशन इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग सब-सेक्टर में गिरावट का सबसे बड़ा योगदान रहा है।

छात्रों और फैकल्टी को खतरे में नहीं डाल सकता

ट्रंप प्रशासन के दवाब में वर्जीनिया यूनिवर्सिटी के अध्यक्ष ने दिया इस्तीफा

वाशिंगटन,28 जून 2025 । वर्जीनिया विश्वविद्यालय के अध्यक्ष जेम्स रयान ने शुक्रवार (27 जून, 2025) को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में स्कूल की विविधता, समानता और समावेशन (डीईआइ) नीतियों के कारण इस्तीफा दे दिया।

रयान ने कहा कि वह विश्वविद्यालय के छात्रों और फैकल्टी को खतरे में डालने का जोखिम नहीं उठा सकते। उन्होंने लिखा कि मैं अपनी नौकरी बचाने के लिए संघीय सरकार से लड़ने का एकतरफा फैसला नहीं कर सकता।

ऐसा करना सैकड़ों कर्मचारियों और शोधकर्ताओं के हित को खतरे में डाल सकता है।

वर्जीनिया के डेमोक्रेटिक अमेरिकी सीनेटर टिम केन और मार्क वार्नर ने ट्रंप प्रशासन की मांग को अपमानजनक बताया और कहा कि रयान का इस्तीफा विश्वविद्यालय और राज्य को नुकसान पहुंचाएगा। यह स्पष्ट नहीं था कि रयान का इस्तीफा तुरंत प्रभावी होगा या नहीं।

वहीं एपी के अनुसार, न्याय विभाग ने शुक्रवार को यूएस कैपिटल दंगा आपराधिक मामलों में शामिल तीन अभियोजकों को बर्खास्त कर दिया है। मामले से परिचित दो लोगों के अनुसार छह जनवरी 2021 के हमले के बड़े पैमाने पर अभियोजन से जुड़े वकीलों को लक्षित करने वाले ट्रंप प्रशासन द्वारा यह नवीनतम कदम है।

कलेक्टर ने दिए राजस्व विभाग की लंबित प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के निर्देश

प्रकरणों की वास्तविकता को समझने फील्ड में जाए राजस्व अधिकारी-कलेक्टर

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,28 जून 2025 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर की अध्यक्षता में आज कलेक्टेट सभाकक्ष में राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, त्रुटि सुधार, डायवर्सन, नक्शा बटांकन,

आरबीसी 6(4) समेत विभिन्न राजस्व प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा की।

कलेक्टर श्री भोसकर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे लंबित प्रकरणों का समयबद्ध एवं नियमानुसार निराकरण करें। उन्होंने कहा कि प्रकरणों की वास्तविक स्थिति जानने के लिए राजस्व अधिकारी स्वयं फील्ड का निरीक्षण करें ताकि प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया जा सके। कलेक्टर ने विशेष रूप से सीमांकन कार्यों में पारदर्शिता और निष्पक्षता बरतने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधीक्षक भू-अभिलेख (एसएलआर) की टीम को बिना कलेक्टर की अनुमति सीमांकन कार्य पर न जाने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने आरबीसी प्रकरणों का समय पर निराकरण कर पीड़ितों को शीघ्र लाभ पहुंचाने पर जोर दिया।

बैठक में अपर कलेक्टर श्री सुनील कुमार नायक, श्री राम सिंह ठाकुर, श्री अमृत लाल ध्रुव, सभी एसडीएम, तहसीलदार और राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जिले के मेधावी अनुसूचित जनजाति बच्चों के सपनों को मिलेंगी उड़ान

- सैनिक स्कूल में पढ़ाई का खर्च वहन करेगा जिला प्रशासन
- अनुसूचित जनजाति बच्चों के सहयोग के लिए जिला प्रशासन ने बढ़ाया हाथ

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,28 जून 2025 (घटती-घटना)।

आदिवासी बहुल सरगुजा जिले के मेधावी अनुसूचित जनजाति के बच्चों के लिए एक नई उम्मीद जगी है। अब सैनिक स्कूल में पढ़ने का सपना देखने वाले अनुसूचित जनजाति छात्र-छात्राओं को आर्थिक तंगी उनके सपनों की उड़ान में बाधा नहीं बनेगी। जिला प्रशासन द्वारा मेधावी विद्यार्थियों के सहयोग के लिए महत्वपूर्ण पहल की है।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने जानकारी देते हुए बताया कि

सरगुजा जिले के अनुसूचित जनजाति वर्ग के मेधावी बच्चों का सैनिक स्कूल में चयन होने पर उनकी शिक्षण शुल्क का व्यय जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) मद से जिला प्रशासन द्वारा वहन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य आदिवासी बच्चों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना और उन्हें सैनिक स्कूल जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में अध्ययन का अवसर प्रदान करना है।

कलेक्टर श्री भोसकर ने कहा कि सरगुजा जिला प्रशासन आदिवासी बच्चों की शिक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य को लेकर प्रतिबद्ध है और यह कदम उनकी आकांक्षाओं को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। यह पहल बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाएगी और समाज में शिक्षा की अलख को और मजबूती देगी।

किराना व्यापारी संघ के अध्यक्ष चुने गए मनोज गोयल

- संवाददाता -
सूरजपुर,28 जून 2025 (घटती-घटना)।

शनिवार को यहां सूरजपुर किराना व्यापारी संघ का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से मनोज कुमार गोयल को संघ का अध्यक्ष चुना गया है। व्यवसायियो की समस्याओं के समाधान, एकजुटता को लेकर लम्बे समय से संघ के गठन की आवश्यकता महसूस हो रही थी। पूर्व में यहां किराना व्यपारी संघ का गठन किया गया था। परंतु जिला बनने के बाद उक्त संघ की सक्रियता में कमी आ गई थी। जिसके बाद सक्रियता के साथ काम करने के लिए किराना संघ की आवश्यकता व्यवसायियो को महसूस होने लगी थी। जिसको ध्यान में रखते हुए यहां सूरजपुर किराना संघ का गठन कर युवाओं के हाथ मे जिम्मेदारी सौपी गई है। शनिवार को भैयाथान रोड स्थित अग्रसेन भवन में श्यामसुंदर अग्रवाल एवं सुरेश जैन की मौजूदगी में

शहर के किराना व्यपारियो की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में बड़ी संख्या में शहर के थोक व फुटकर किराना व्यापारी मौजूद थे। जिसमे व्यपारियो की समस्याओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर इसके समाधान की दिशा में एकजुट होकर कार्य करने की बात कही गई। बैठक के दौरान किराना व्यपारी संघ का सर्वसम्मति से गठन किया गया जिसमें राजाराम एण्ड सन्स के संचालक मनोज कुमार गोयल को किराना संघ का अध्यक्ष चुना गया। संघ की अगली बैठक में अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी।

अखिल भारतीय इंट्रा ग्रुप 'F' हॉकी चैंपियनशिप का भव्य समापन,भुवनेश्वर विजेता,अंबिकापुर उपविजेता

समापन समारोह में कलेक्टर भोसकर हुए शामिल

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,28 जून 2025 (घटती-घटना)।

सैनिक स्कूल अंबिकापुर में आयोजित दो दिवसीय अखिल भारतीय सैनिक स्कूल इंट्रा ग्रुप 'F' हॉकी चैंपियनशिप का समापन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि कलेक्टर श्री विलास भोसकर शामिल हुए। इस अवसर पर विद्यालय आगमन पर प्राचार्य कर्नल रीमा सोबती ने कलेक्टर का स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने सर्वप्रथम सैनिक स्कूल परिसर में नवनिर्मित बास्केटबॉल कोर्ट का उद्घाटन किया, तत्पश्चात कैप्टन विक्रम बत्रा भवन में समापन समारोह में शामिल हुए।

प्रतियोगिता में तीन वर्गकृजूनियर बालक,सब-जूनियर बालक और बालिका वर्ग में मुकाबले आयोजित हुए। सम्मिलित अंकों के आधार पर सैनिक स्कूल भुवनेश्वर ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब प्राप्त किया जबकि सैनिक स्कूल अंबिकापुर उपविजेता रहा।

जूनियर बालक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार सैनिक स्कूल कोरूकोंडा के कैडेट जतिन को मिला, बालिका वर्ग में सैनिक स्कूल भुवनेश्वर की दीपशिखा प्रियदर्शनी और सब-जूनियर बालक वर्ग में सैनिक स्कूल अंबिकापुर के कैडेट अमित धाकड़ ने यह सम्मान प्राप्त किया।

मुख्य अतिथि श्री भोसकर ने विजेता टीमों को प्रमाणपत्र, पदक और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कैडेटों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, जो अनुशासन और नेतृत्व जैसे गुणों का विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि हार ही जीत की तैयारी का पहला कदम है और आंतरिक शक्ति ही व्यक्ति को शीर्ष पर पहुंचाती है।

सैनिक स्कूल की प्राचार्य कर्नल सोबती ने कहा कि सैनिक स्कूल सोसायटी की ओर से प्रस्तावित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के माध्यम से बालिका कैडेटों को पहली बार खेल का राष्ट्रीय मंच मिला है। कर्नल सोबती ने सैनिक स्कूल सोसायटी का हार्दिक धन्यवाद करते हुए कहा कि यह आयोजन बालिकाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। उन्होनें कहा कि जीत-हार के परिणाम से अधिक महत्वपूर्ण यह रहा सैनिक स्कूल सोसायटी के इस कदम से कैडेटों के बीच सौहार्द, सहयोग और नेतृत्व के उच्च मूल्यों को विकसित करने में सहायता मिली है।

कलेक्टर श्री भोसकर ने सैनिक स्कूल के आधारभूत निर्माण कार्यों के लिए एक करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत करने की बात कही। साथ ही उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूल में प्रवेश लेने वाले आदिवासी वर्ग के विद्यार्थियों की शिक्षा का संपूर्ण व्यय जिला प्रशासन द्वारा वहन किया जाएगा।

समारोह में चतुर्थ स्थान प्राप्त टीमों को प्रशासनिक अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर जेम्स नायर, तृतीय स्थान प्राप्त टीमों को उप प्राचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल (डॉ.) पी श्रीनिवास एवं उपविजेता टीमों को प्राचार्य कर्नल रीमा सोबती द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कैडेट अवि दीक्षित ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन कैडेट समीर भास्कर ने प्रस्तुत किया।

पद्मश्री डॉ सुरेंद्र दुबे जी के असमय निधन से साहित्य जगत के लिए अपूरणीय छतिःडॉक्टर मोहनसाह

- संवाददाता -
अंबिकापुर,28 जून 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ी साहित्य एव परंपरा,बोली भाषा को अंतररास्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने वाले पद्मश्री सुरेंद्र दुबे जी के असमय निधन से छत्तीसगढ़ के हर वर्ग में दुख की लहर है ,सुरेंद्र दुबे एक गाव से निकलकर कई।देशों की सहित्यिक यात्रा करते हुए देश विदेश में भी छत्तीसगढ़ी साहित्य का डंका बजाया जिससे छत्तीसगढ़ की विश्व पटल पर पहचान बनी है ,छत्तीसगढ़ राजभाषा सूरजपुर के जिला समन्यवक डॉ मोहन साहू ने दुबे जी के असमय निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुवे कहा ही दुबे जी एक जिंदा दिल इंसान थे वे छोटे बड़े सभी को समान नजर से देखते थे उनकी कविताओं में हमेशा छत्तीसगढ़ी और छत्तीसगढ़िया के मान -सम्मान के साथ अपनी कविताओं के शुरुवात करते थे चाहे वह भारत का कोई जगह हो या विदेश का कोई जगह ,आगे डॉ मोहन साहू ने कहा कि जंहा कही भी राजभाषा का कार्यक्रम जो या छत्तीसगढ़ सहित्यिक कार्यक्रम में सभी जिले वालो से मिलकर हाल चाल पूछते थे और जिसको एक बार नाम से जान लेते थे उनको भीड़ में भी पहचान कर बड़े ही सादगी से बात करने वाले साहित्य के पुरौधा के नही रहने से साहित्य जगत को गहरा धक्का लगा है।

दैनिक घटती-घटना की खबर का बड़ा असर

महापौर ने संभाला मोर्चा...

खरीदे गए ट्रैक्टर को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

महापौर की सहमति से अब होंगे निगम के सभी कार्य और चिरमिरी क्षेत्र का पूरा विकास,स्वास्थ्य मंत्री ने महापौर को चिरमिरी क्षेत्र में विकास करने व जनता के समस्याओं के निराकरण पर ध्यान देने की नसीहत दी,स्वास्थ्य मंत्री ने कहा महापौर को जनता ने चुना है महापौर ही निगम की जनता के लिए करेंगे काम

-रवि सिंह-
एमसीबी/चिरमिरी,28 जून 2025 (घटती-घटना)।

दैनिक घटती घटना की खबर का फिर एक बार बड़ा असर देखने को मिला है,इस बार मामला चिरमिरी नगर निगम से जुड़ हुआ है जहां सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार महापौर को रबर स्टाम्प बनकर सीमित हो जाने की जानकारी दैनिक घटती घटना के पास आई थी,जिसके आधार पर खबर का प्रकाशन किया गया था वहीं खबर प्रकाशित होने के कुछ घंटे बाद ही महापौर सक्रिय नजर आने लगे हैं और खबर प्रकाशन दिवस ही वह निगम पहुंचते हैं और निगम द्वारा खरीदी गई गाड़ियों को हरि झंडी दिखाते हुए अपनी जोरदार उपस्थिति दर्ज कराते हैं। इसी दिन इसी कार्यक्रम में उन नए कचरा ढोने वाले गाड़ियों को भी हरि झंडी दिखाते हैं महापौर जिन गाड़ियों को लेकर यह बात सामने आई थी कि गाड़ियां खरीदी तो गईं थीं लेकिन बिना पंजीयन के गाड़ियां खरीदी गईं थीं इसलिए उनके उपयोग की स्थिति नहीं बन पा रही थी। कुल मिलाकर खबर प्रकाशन के बाद महापौर ने अपनी सक्रियता और अपनी निर्णय लेने की क्षमता का एक उदाहरण प्रस्तुत किया और यह संदेश दिया कि निगम में महापौर ही सर्वेसर्वा हैं और वह निगम में बाहरी हस्तक्षेप भी बर्दाश्त नहीं करेंगे और निगम मामले में हर यथा आवश्यक जन कल्याण के निर्णय वह स्वयं लेंगे। महापौर की सक्रियता देखने के बाद अब लगने लगा है कि आगे वह अब शांत और गंभीर होकर नहीं बैठे रहने वाले वह अब सक्रिय रहते हुए निगम क्षेत्र के विकास में तत्पर रहने वाले हैं।

वहीं जानकारी यह भी मिल रही है कि स्वास्थ्य मंत्री मनेंद्रगढ़ विधायक ने भी महापौर को नसीहत दी है कि वह निगम की जनता के लिए बेहतर काम करें और हर तरह की समस्याओं का निराकरण त्वरित गति से करें, स्वास्थ्य मंत्री ने महापौर से स्वतंत्र होकर पूरे निगम क्षेत्र के लिए सक्रिय रहने के लिए कहा है, बताया जा रहा है कि अंदर खाने की बात यह भी सामने आई है कि स्वास्थ्य मंत्री ने निगम के विषय में प्रकाशित खबर पर नाराजगी जताते हुए महापौर को बाहरी हस्तक्षेप रोकने को कहा है। वहीं महापौर ही अब सभी निर्णय लेंगे और विकास कार्य का जिम्मा संभालेंगे, महापौर पार्षदों के साथ मिलकर निगम के प्रत्येक वार्ड तक खुद पहुंचेंगे यह भी अब तय हुआ है बताया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट किया है कि महापौर और पार्षदों को निगम की जनता ने चुना है और उनके ऊपर अन्य का कोई नियंत्रण न था न आगे होगा वह स्वतंत्र निर्णय लेकर अपने अपने क्षेत्र में विकास कार्य करेंगे। चिरमिरी का विकास वादे अनुसार ट्रिपल इंजन सरकार द्वारा ही होगा यह भी स्वास्थ्य मंत्री ने स्पष्ट किया है और इसी दिशा में उन्होंने महापौर को कार्य करने

क्या महापौर अपने अधिकारों को लेकर हुए सजग?

चिरमिरी नगर निगम को लेकर जिस तरह की खबरें सामने आ रहीं थीं और जिस तरह से यह आरोप लग रहा था कि निगम को ठेकेदार चला रहे हैं महापौर केवल रबर स्टाम्प बनकर रह गए हैं और इन आरोपों के बाद महापौर की जो सक्रियता सामने आई उसके बाद यह सवाल उठने लगा है कि क्या महापौर अब अपने अधिकारों को लेकर सजग हो गए हैं और वह पूरे फॉर्म में आ चुके हैं। वैसे जिस तेजी से नए वाहनों को हरि झंडी दिखाई गई उसके बाद तो यह कहना ही होगा कि महापौर अब अपने अधिकारों को लेकर सजग रहने वाले हैं और उनकी सक्रियता आगे बढ़कर नजर आने वाली है।

महापौर अब पूरी तरीके से जनता से मिले आशीर्वाद की जिम्मेदारी को निभाने के लिए हुए तैयार

निगम महापौर का नया रूप अब जो देखने को मिला है वह यह बतलाता है कि वह निगम की जनता से मिले आशीर्वाद की जिम्मेदारी निभाने तैयार हो चुके हैं। बताया जा रहा है कि वह अब लगातार पार्षदों से संपर्क कर रहे हैं और वह पार्षदों से उनके वार्ड की समस्याएं और मांगो को लेकर जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। महापौर बताया जा रहा है कि निगम के एक एक व्यक्ति तक पहुंचने के भी प्रयास में लगने वाले हैं और वह खुद समस्याओं से अवगत होकर यथा निराकरण करने के प्रयास में जुटना चाहते हैं। महापौर के एकाएक बदले तेवर से अब निगम की जनता भी उम्मीद लगाने लगी है कि निगम के किसी भी मामले में उन्हें त्वरित निराकरण मिल सकेगा क्योंकि महापौर खुद अब समस्याएं जानने निकल पड़े हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने भी महापौर को जनता के कामों के लिए उनकी बंदिशें वाले अटकलों से किया आजाद

बताया जा रहा है कि महापौर स्वास्थ्य मंत्री के कारण बंदिशों में हैं और निर्णय लेने की उन्हें मनाही है ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं और ऐसा आरोप कुछ भाजपाई ही लगा रहे थे,अब बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य मंत्री ने अटकलों को जो बंदिशों वाली थीं उससे इनकार कर दिया है और उन्होंने महापौर को साफ संदेश दिया है कि वह खुलकर जनता के बीच जाएं और उनके भाजपा को दिए गए समर्थन के लिए धन्यवाद भी ज्ञापित करें वहीं जनता को त्वरित निरारकण की सुविधा समस्याओं के संबंध में प्रदान करें। बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य मंत्री ने चिरमिरी की जनता को ट्रिपल इंजन सरकार का जो वादा किया था वह ट्रिपल इंजन पूरी तरह से बेहतर काम करेगी यह भी महापौर आश्वस्त करें लोगो को उन्होंने कहा है। स्वास्थ्य मंत्री को लेकर बताया जा रहा है कि अटकलों और बंदिशों के मामले में जो बातें सामने आ रही थीं उसे लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने नाराज़गी भी जाहिर की है और उन्होंने निगम के निर्वाचित महापौर और पार्षदों पर बंदिशों की बातों का खंडन भी किया है।

बालको ने प्रचालन में सांख्यिकीय विश्लेषण को बनाया आधार

-संवाददाता-
कोरबा,28 जून 2025 (घटती-घटना)।

बालको ने राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस पर बताया कि उसने अपने सभी प्रचालन में सांख्यिकीय विश्लेषण को शामिल किया है,जिससे रियल-टाइम डेटा मॉनिटरिंग के जरिए गुणवत्ता,दक्षता और स्थिरता को बेहतर बनाया गया है।

बालको के कर्मचारी करिवेदा श्रीकांत ने बताया कि स्मेल्टर्स की मिनट-दर-मिनट निगरानी से उत्सर्जन नियंत्रित रहता है। वहीं, प्रोसेस कंट्रोल प्रमुख अभिषेक पटेल ने कहा कि पॉट रूम की निगरानी से तकनीकी स्थिरता और उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित होती है।

डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन प्रमुख नवदीप अग्रवाल ने कहा कि डेटा इंटीग्रेशन से फैसले लेने की गति बढ़ी है और मशीनों के ठप होने का समय घटा है। बालको ने दोहराया कि आंकड़े केवल रिकॉर्ड नहीं, बल्कि उत्कृष्ट संचालन और सतत विकास का सशक्त माध्यम हैं।

राज्यस्तरीय दल द्वारा प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का लिया जायजा

उप संचालक डॉ. कन्नौजे ने किया निरीक्षण, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहत सहित समस्त पीएचसी सीएचसी का हुआ निरीक्षण

-संवाददाता-
कोरिया,28 जून 2025 (घटती-घटना)।

प्रतिमाह 9 और 24 तारीख को उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की जांच की जाती है और चिन्हित संस्था पर प्रसव कराने के लिए सलाह दी जाती है।

राज्य शासन के निर्देश पर मातृ मृत्यु दर को कम करने के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान चलाया जा रहा है। कोरिया कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर प्रशांत सिंह के मार्गदर्शन में कोरिया जिला के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों,प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं जिला अस्पताल जांच,

उपचार किया जाता है। उच्च जोखिम वाली गर्भवती माताओं का 25 इंडिकेटर पर चिन्हांकन कर स्वास्थ्य सेवाएं एवं संस्था में प्रसव कराने के लिए प्रेरित कर, परामर्श दी जा रही है, साथ ही सोनोग्राफी भी किया जा रहा है। जिला अस्पताल एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहत में निःशुल्क सोनोग्राफी की सुविधा भी उपलब्ध है। विगत 24 जून को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के उप संचालक डॉ. अजय कन्नौजे द्वारा प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान संचालित जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहत का निरीक्षण किया गया। डॉ. कन्नौजे ने गर्भवती महिलाओं से बातचीत की तथा लाइन लिस्टिंग पर अंकित संख्या के अनुसार निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान कार्यक्रम को और बेहतर करने लाइन लिस्टिंग कर उचित डाटा का संधारण करने हेतु निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सोनहत सहित अन्य सीएचसी की व्यवस्था से राज्यस्तरीय टीम संतुष्ट एवं व्यवस्था से खुश नजर आई।

नर्सिंग होम एक्ट के उल्लंघन पाये जाने पर न्यू कोरबा हॉस्पिटल और श्वेता हॉस्पिटल पर लगा 20-20 हजार का जुर्माना

-संवाददाता-
कोरबा,28 जून 2025 (घटती-घटना)।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा सहअध्यक्ष जिला समिति (छत्तीसगढ़ राज्य उपचर्यागृह तथा रोगोपचार संबंधी स्थापनाएं अनुज्ञापन अधिनियम) द्वारा श्वेता हॉस्पिटल जिला जेल के पास, रजगामार रोड़ कोरबा और न्यू कोरबा हॉस्पिटल मंगलम विहार कोसाबाड़ी को निरीक्षण दल से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर संस्थान में पाई गई अनियमितता और नर्सिंग होम एक्ट अधिनियम के उलंघन पाए जाने तथा नोटिस का जवाब असंतोषप्रद पाए जाने पर 20-20 हजार रुपए का अर्थदण्ड लगाया गया है। इसके साथ ही श्वेता हॉस्पिटल के लाइसेंस को 1 जुलाई से 15 जुलाई 2025 तक निलंबित कर दिया गया है। इस संबंध में प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 24.06.2025 को नर्सिंग होम एक्ट के तहत प्राधिकृत निरीक्षण दल द्वारा श्वेता हॉस्पिटल और न्यू कोरबा हॉस्पिटल चिकित्सकीय संस्थान का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण दल द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर उक्त चिकित्सकीय संस्थान में पाई गई अनियमिता के संबंध में दोनो संस्थान को कारण बताओं नोटिस जारी

कर 24 घण्टे के भीतर प्रत्युत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया था। जिसके परिपालन में उनके द्वारा दिनांक 27.06.2025 प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया गया। प्रत्युत्तर का अवलोकन करने पर जवाब असन्तोषप्रद पाया गया तथा नर्सिंग होम एक्ट के प्रावधानों का उल्लंघन करना भी पाया गया। छत्तीसगढ़ राज्य उपचर्यागृह तथा रोगोपचार संबंधी स्थापनाएं अनुज्ञापन अधिनियम 2010 के नियम 09 एवं नियम 12 के तहत कार्यवाही के तहत सीएमएचओ ने श्वेता अस्पताल का लायसेंस को दिनांक 01.07.2025 से 15.07.2025 तक निलंबित किया है, तथा राशि 20000.00 रूपये (बीस हजार मात्र) जुर्माना अधिरोपित किया है। निलंबन अवधि में चिकित्सकीय संस्थान में किसी प्रकार की चिकित्सकीय सेवायें संचालित करने की अनुमति नही होगी। इसी तरह न्यू कोरबा हॉस्पिटल चिकित्सकीय संस्थान में पाई गई अनियमिता तथा नर्सिंग होम एक्ट के प्रावधानों का उल्लंघन करना पाये जाने पर सीएमएचओ द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य उपचर्यागृह तथा रोगोपचार संबंधी स्थापनाएं अनुज्ञापन अधिनियम 2010 के नियम 12 के तहत न्यू कोरबा हॉस्पिटल को राशि 20000.00 रूपये (बीस हजार मात्र) जुर्माना अधिरोपित किया गया है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स)अंबिकापुर मण्डल अंबिकापुर
निविदा आमंत्रण तिथि :-26.06.2025 ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01.निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए log inकरें http;//eproc.cgstate.gov.in
02.संबधित संभाग-स.क्र. 1 से 4 मनेन्द्रगढ़ एव स.क्रं 5 जशपुर
03.स.क्रं.1,2-स.वर्ग एवं उपर ठेकेदार एवं स.क्रं.3से 5 -द वर्ग एवं उपर ठेकेदार
04.ऑलाइन निविदा डालने की अंतिम तिथि -15.07.2025

सरल क्र.	एन.आई.टी.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	104	जिला एम.सी.बी.के आंधीबर से लोहारपारा पहुंच मार्ग लंबाई 1.32 कि.मी.पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य(द्वितीय आमंत्रण)	143.92
2	105	जिला एम.सी.बी.के विकासखण्ड चिरमिरी में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोरिया कालरी के भवन निर्माण विद्युतीकरण सहित । (द्वितीय आमंत्रण)	119.77
3	106	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग मनेन्द्रगढ़ के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में विशेष मरम्मत का कार्य।(द्वितीय आमंत्रण)	20.00
4	107	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग बैकुण्ठपुर के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में विशेष मरम्मत का कार्य (द्वितीय आमंत्रण)	20.00
5	108	जिला जशपुर के मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय बगिया अंतर्गत विभिन्न निर्माण कार्य।(द्वितीय आमंत्रण)	46.68

जी.नं.252601835/1

अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण
विभाग अंबिकापुर मण्डल अंबिकापुर

ग्राम पंचायतों का तुगलकी फरमान

आवास नही बनाया तो राशन भी नहीं मिलेगा...

देश का कानून तोड़ने वाला यह कैसा पंचायती फरमान ?

पंच संघ ने जताया कड़ा विरोध,कहा फरमान हो वापस,फरमान के विरोध में लेंगे न्यायालय की शरण

बरसात में सरकार दे रही 3 माह का एक साथ राशन,पंचायत के फरमान से अधूरे आवास हितग्राहियों का राशन बन्द...

-राजन पाण्डेय-

सोनहत,28 जून 2025 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रदेश में बरसात को देखते हुए जून में ही तीन महीने का राशन (जून, जुलाई, अगस्त) एक साथ देने का निर्णय लिया है वही राशन मिलना भी चालू हो गया है, एपीएल और बीपीएल दोनों श्रेणियों के हितग्राहियों को निःशुल्क चावल वितरित किया जाएगा, राज्य शासन के निर्देश पर जिले में भंडारण और वितरण की विशेष तैयारियां सुनिश्चित की हैं। तो वही इस आदेश को ठेंगा दिखाते हुए कोरिया जिले की कुछ ग्राम पंचायतों के सरपंच सचिवों ने आदेश के ठीक विपरीत तुगलकी फरमान जारी कर दिया है यह फरमान प्रधान मंत्री आवास योजना के ऐसे हितग्राहियों के लिए जारी की किया गया है जिन्हें राशि जारी हुई है लेकिन उसके अनुसार उनका निर्माण पूर्ण नही हुआ है,या जिन्होंने राशि लेकर कार्य प्रारंभ नही किया है। दरअसल सोनहत विकास खण्ड में पँचायत के सरपंच सचिवों द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाते हुए तुगलकी फरमान जारी कर दिया गया है। इस सम्बंध में मिली जानकारी अनुसारसोनहत की शासकीय उचित मूल्य की दुकान में प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों को राशन न देने का फरमान जारी किया गया है जारी फरमान में कहा गया है कि की आपके खाते में आवास की राशि जमा कर दी गई है और आपके द्वारा आवास नहीं बनाया जा रहा है इसलिए आपको शासकीय उचित मूल्य की दुकान में अब राशन नहीं मिलेगा तथा बाकायदा सरपंच सचिव के द्वारा पत्र और सूची जारी कर दुकान के डीलर को आदेशित किया गया है।

पंच संघ ने जताया विरोध कहा वापस ले फरमान अन्यथा होगा विरोध

इस प्रकार के तुगलकी फरमान संज्ञान में आने पर पंच संघ के अध्यक्ष प्रेमसागर तिवारी ने विरोध जताया है । पंच संघ अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास का संबंध राशन से बिल्कुल भी नहीं है गरीब परिवारों को खाद्य सुरक्षा कानून के तहत राशन दिया जाता है इस समय खेती किसानी का समय है गरीब परिवारों का इस बरसात के समय में राशन रोकना उचित नहीं है अभी किसी प्रकार का कोई रोजगार मूलक कार्य भी नहीं चल रहे जिससे कि वहाँ कार्य कर खाद्यान्न की व्यवस्था गरीब परिवार कर सके। पंच संघ अध्यक्ष ने जिला प्रशासन से मांग किया है इस प्रकार का जारी तुगलकी फरमान वापस हो। प्रधान मंत्री आवास बरसात के समय में बनाने का दबाव उचित नहीं है तथा ग्रामीणों को शासन की नियमानुसार तत्काल राशन वितरण करने आदेश जारी किया जाए ताकि गरीब ग्रामीण परिवारों को खाने की समस्या उत्पन्न न हो। तुगलकी फरमान वापस नही होने की स्थिति में ब्लॉक स्तर पर बड़ा धरना प्रदर्शन एवं आंदोलन किया जाएगा।

खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सभी को है भोजन(खाद्यान) का अधिकार

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 भारत सरकार द्वारा 2013 में लागू किया गया एक कानून है जिसका उद्देश्य देश की लगभग दो-तिहाई आबादी को सब्सिडी वाला खाद्यान्न उपलब्ध कराना है. इसका मुख्य उद्देश्य है कि लोगों को सस्ती दरों पर पर्याप्त मात्रा में गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना ताकि उन्हें खाद्य और पोषण सुरक्षा मिल सके और वे सम्मान के साथ जीवन जी सकें, पात्र व्यक्ति चावल,और मोटे अनाज क्रमशः 2 और 1 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दरों पर 5 किलोग्राम खाद्यान्न प्रति व्यक्ति प्रति माह प्राप्त करने के हकदार है अधिनियम में गर्भवती महिलाओं,स्तनपान कराने वाली माताओं और 14 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए पोषण संबंधी सहायता का भी प्रावधान है, लेकिन सोनहत विकासखण्ड की ग्राम पंचायतों ने इस अधिनियम किं धज्जियाँ उड़ा दी है, सम्भवना भी जताई जा रही है कि फिलहाल ये प्रदेश का पहला मामला है जहां लोगो का राशन बन्द करने का फरमान जारी किया गया हो।

इन पंचायतो ने जारी किया फरमान

इस सबन्ध मिली जानकारी अनुसार फिलहाल ग्राम कैलाशपुर तंजरा, केशगवां बेलिया समेत अन्य कई पंचायतो ऐसा तुगलकी फरमान जारी किया है,पँचायत के इस तुगलकी फरमान से हितग्राहियों में जम कर आक्रोश है,एक तरफ सरकार सुशासन का दावा कर रही है तो दूसरी तरफ अधूरे आवास हितग्राहियों का राशन बन्द करने का फरमान सुशासन के दावों की पोल खोल रहा है।

खेती बाड़ी का समय शुरू नही मिल रहे मजदूर

क्षेत्र में खेती बाड़ी का समय शुरू हो चुका है और ऐसे में मजदूरों की भारी किल्लत है ऊपर से भारी बारिश के कारण आवास बनाना काफी चुनौतीपूर्ण कार्य है, ऐसे में जब तक आवास नही बनेगा तब तक राशन बन्द हुआ तो मजदूर वर्ग और गरीबो को खाने के लाले पड़ने की संभावना बन सकती है।

कृषि विभाग ने किया निःशुल्क बीज वितरण

-संवाददात ा-

कोरिया,28 जून 2025 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के ग्राम जामपारा, खोडरी व विकासखण्ड सोनहत अंतर्गत ग्राम मझारटोला एवं सुन्दरपुर में कृषि विभाग द्वारा किसानों को निशुल्क अरहर, उड़द, तिलहन, व मूँगफली और धान के बीजों का वितरण किया गया। यह वितरण अनुदान के तहत 'नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल' योजना के अंतर्गत संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, सोनहत कार्यालय द्वारा किया गया था। योजना का उद्देश्य क्षेत्र में तिलहन फसलों का विस्तार कर किसानों को आत्मनिर्भर बनाना है। शासन द्वारा सोनहत क्षेत्र में विशेष रूप से तिलहन और दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए किसानों को लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी के निर्देशानुसार जिले में तिलहन व दलहन फसलों पर विशेष ध्यान देते हुए, कृषि विभाग कोरिया की टीम द्वारा क्षेत्र में लगातार मैदानी भ्रमण कर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। कृषि अधिकारियों और फील्ड अमले की सक्रिय भूमिका से किसान नवीन तकनीकों और योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। इस अवसर पर सोनहत जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा देवी सोनपाकर, ग्राम पंचायत के सरपंच तथा कृषि विस्तार अधिकारी श्री रोहित सिंह साथ ही कार्यक्रम में काफी संख्या में क्षेत्रीय किसान भी शामिल हुए और बीज वितरण योजना से लाभान्वित हुए।

51727 महिलाओं का एचबी जांच कर गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले ने गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम किया दर्ज

स्वास्थ्य मंत्री ने इस उपलब्धि के लिए जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग को दी शुभकामनाएं...

-संवाददाता-

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही,28 जून 2025 (घटती-घटना)। एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में एक दिन में 51727 महिलाओं का एचबी जांच कर गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में जिले का नाम हुआ दर्ज करने हुआ सफल।

छत्तीसगढ़ का गौरेला पेंड्रा मरवाही जिला इकलौता जिला है एक अलग ही कीर्तिमान हासिल किया, एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत चल रहे अभियान से जुड़कर एक दिन में 51721 महिलाओं की हीमोग्लोबीन (एचबी) जांच कर अपना नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कर लिया है यह प्रदेश के लिए एक बड़ी उपलब्धि है एक दिन में इतनी महिलाओं का जांच करना संभव नहीं था फिर भी स्वास्थ्य विभाग सहित जिले की टीम ने मिलकर इस मुकाम को हासिल किया, जिसके फल स्वरुप गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में गौरेला पेंड्रा मरवाही का नाम दर्ज हुआ, इस उपलब्धि के बाद स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने भी पूरे जिले की टीम को धन्यवाद प्रेषित किया और उनके किए गए कार्यों की सराहना की। एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में एक दिन में 51727 महिलाओं का एचबी जांच कर गोल्डन बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में जिले का नाम हुआ शामिल। एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले में चलाए गए रक्त शक्ति महा अभियान में एक ही दिन में जिले की 13 से 45 वर्ष आयु वर्ग की 51,727 महिलाओं का हीमोग्लोबीन (एचबी) जांच कराने पर जिले का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड

में शामिल हो गया है।

रक्त की कमी होने से बहुत सारी समस्याएं होती है...

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा की इस उत्कृष्ट कार्य के लिए जिला प्रशासन को शुभकामनाएं। रक्त की कमी होने से बहुत सारी समस्याएं होती है। एचबी की वास्तविक जानकारी प्राप्त करने के लिए रक्त शक्ति महा अभियान ने बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया है।

एनीमिया मुक्त भारत

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने ये भी बताया की जिसका उद्देश्य कुपोषण की चुनौती से निपटना और सामुदायिक सहभागिता, पहुंच, व्यवहार परिवर्तन और वकालत के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य, कल्याण और प्रतिरक्षा को बढ़ावा देना है। एनीमिया से निपटने के लिए सरकार चावल फोर्टिफिकेशन पहल के तहत विभिन्न योजनाओं के तहत चरणबद्ध तरीके से आयरन, फोलिक एसिड और विटामिन बी 12 से समृद्ध फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति कर रही है। सरकार जीवन चक्र दृष्टिकोण में बच्चों,किशोरों और महिलाओं में एनीमिया के प्रसार को कम करने के लिए एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) रणनीति लागू करती है। रणनीति का लक्ष्य छह लाभार्थी आयु समूहों- 6-59 महीने के बच्चों, 5-9 साल के बच्चों, 10-19 साल के किशोरों, प्रजनन आयु की महिलाओं (15-49 वर्ष),गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली महिलाओं में हस्तक्षेपों के कार्यान्वयन के माध्यम से एनीमिया को कम करना है, प्रोफाइलैक्टिक आयरन फोलिक एसिड अनुपूरणः आवधिक डीवर्मिंग,वर्ष भर व्यवहार परिवर्तन संचार अभियान में तेजी,डिजिटल इनवेसिव हीमोग्लोबिनोमीटर और देखभाल उपचार का उपयोग करके एनीमिया की जांच, सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में आयरन फोलिक एसिड फोर्टिफाइड खाद्य पदार्थों का अनिवार्य प्रावधान, छः संस्थागत तंत्रों के माध्यम से स्थानिक क्षेत्रों में एनीमिया के गैर-पोषण संबंधी कारणों को संबोधित करना और एएमबी डैशबोर्ड का उपयोग करके निगरानी करना।

मिशन पोषण 2.0 भारत सरकार का यह एक प्रमुख कार्यक्रम है

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बताया की मिशन पोषण 2.0 भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है,जिसका उद्देश्य सामुदायिक सहभागिता, आउटरीच,व्यवहार परिवर्तन और वकालत के माध्यम से कुपोषण की चुनौती का समाधान करना और स्वास्थ्य,कल्याण और प्रतिरक्षा में सुधार करना है। यह योजना मातृ पोषण, शिशु और छोटे बच्चों के आहार मानदंडों,गंभीर तीव्र कुपोषण (एसएएम) / मध्यम तीव्र कुपोषण (एमएएम) के उपचार और आयुष प्रथाओं के माध्यम से कल्याण पर ध्यान केंद्रित करती है ताकि स्टंटिंग और एनीमिया के अलावा वेस्टिंग और कम वजन के प्रचलन को कम किया जा सके। पोषक तत्वों के सेवन में अंतर को पाटने के लिए बच्चों (6 महीने से 6 साल), गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और किशोरियों (आकांक्षी जिलों और पूर्वोत्तर राज्यों में 14 से 18 साल) को पूरक पोषण प्रदान किया जाता है। सितंबर और मार्च-अप्रैल के महीनों में मनाए जाने वाले पोषण माह और पोषण पखवाड़े के दौरान, एनीमिया के बारे में जागरूकता के लिए समर्पित गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं।

एनीमिया से निपटने के लिए सरकार लक्षित सार्वजनिक वितरण

इसके अलावा, एनीमिया से निपटने के लिए सरकार लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (टीपीडीएस),प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पीएम-पोषण) योजना, एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस) योजना और अन्य कल्याणकारी योजनाओं (ओडब्ल्यूएस) के तहत चरणबद्ध तरीके से चावल फोर्टिफिकेशन पहल के तहत आयरन,फोलिक एसिड और विटामिन बी 12 से समृद्ध फोर्टिफाइड चावल की आपूर्ति कर रही है। सरकार की हर योजना में कस्टम-मिल्ड चावल की जगह फोर्टिफाइड चावल ने ले ली है। एएमबी के तहत प्रगति को लाभार्थियों के बीच आयरन फोलिक एसिड कवरेज के माध्यम से मापा जाता है। महिलाओं के बीच आयरन और फोलिक एसिड (आईएफए) कवरेज के लिए राज्यवार प्रगति अनुलग्नक में दी गई है।

यशस्वी जायसवाल के पास इतिहास रचने का मौका

एजबेस्टन टेस्ट मैच में द्रविड़-सहवाग के रिकॉर्ड को तोड़ने का अच्छा मौका...

नई दिल्ली,28 जून 2025। इंग्लैंड और भारत के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला एजबेस्टन के मैदान पर खेला जाएगा। इस मैच में टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के पास इतिहास रचने का मौका होगा। वह इस मैच में भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट में मैच के हिसाब से सबसे तेज 2000 रन बनाने का रिकॉर्ड सुनील गावस्कर के नाम है। वहीं पारी के आधार पर सबसे तेज 2000 टेस्ट रन बनान का रिकॉर्ड राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग के नाम है।

जायसवाल के पास गावस्कर को पीछे छोड़ने का मौका

यशस्वी जायसवाल ने अब तक टेस्ट क्रिकेट में 20 मैचों में 52.86 की औसत के साथ 1903 रन बनाए हैं। वह टेस्ट क्रिकेट में 2000 रन का आंकड़ा छूने से सिर्फ 97 ही रन दूर है। अगर वह एजबेस्टन में खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट में 97 रन बनाने में कामयाब होते हैं तो वह सबसे कम मैचों में 2000 टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बन जाएंगे। फिलहाल यह रिकॉर्ड लिटिल मास्टर सुनील गावस्कर के नाम है। गावस्कर ने 23 टेस्ट मैचों में अपने 2000 रनों का आंकड़ा पार किया था। जायसवाल के पास गावस्कर के इस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए दो मैचों का वक्त होगा।

क्या राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग से आगे निकल पाएंगे जायसवाल?

टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले बाकी के भारतीय बल्लेबाजों की करें तो वहां सुनील गावस्कर के बाद राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग जैसे दिग्गजों का नाम है। इन दोनों पूर्व खिलाड़ियों ने 25 मैचों में इस आंकड़े को हासिल किया था। वहीं अगर पारी के हिसाब से सबसे तेज 2000 टेस्ट रन बनाने के रिकॉर्ड की बात की जाए तो वहां टॉप पर राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग का नाम है। इन दोनों ने 40-40 पारियों में यह रिकॉर्ड बनाया था, वहीं गावस्कर ने 44 पारियों में 2000 टेस्ट रन पूरे किए थे। यशस्वी जायसवाल ने अभी तक टेस्ट क्रिकेट में 38 पारियां खेली है, अगर वह दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 97 रन बना लेते हैं तो वह सबसे कम पारियों में 2000 टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे।

लीड्स टेस्ट मैच में यशस्वी जायसवाल की फील्डिंग रही थी बेहद खराब

इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स टेस्ट मैच में यशस्वी जायसवाल ने पहली पारी में शतक जरूर लगाया था, लेकिन इस मुकाबले में उनकी फील्डिंग बेहद खराब रही थी। जिस वजह से उन्हें काफी ट्रोल किया गया। दोनों पारियों को मिलाकर उन्होंने कम से कम पांच कैच छोड़े थे। वहीं दूसरी पारी में वह बल्ले से फ्लॉप रहे थे और सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हुए। अब देखना ये होगा कि वह दूसरे टेस्ट मैच में कैसा प्रदर्शन करते हैं।

इस धाकड़ बल्लेबाज के खेलने की पूरी संभावना

सिडनी,28 जून 2025। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 159 रनों से जीत लिया। इस मैच में भले ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने जीत हासिल कर ली हो, लेकिन उनके टॉप ऑर्डर के बल्लेबाजों ने बहुत ही खराब प्रदर्शन किया। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 22 रनों पर ही 3 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद दूसरी पारी में उनके 65 रन पर ही चार विकेट गिर गए थे। अब बैटिंग ऑर्डर को मजबूती देने के लिए स्टीव स्मिथ टीम के साथ जुड़ने वाले हैं। ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा टेस्ट मुकाबला 3 जुलाई से खेला जाएगा।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में लगी थी चोट

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक स्टीव स्मिथ जल्दी ही ऑस्ट्रेलियाई टीम से जुड़ने वाले हैं। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ फील्डिंग करते हुए उनकी अंगुली में चोट लग गई थी। इसी वजह से वह पहले मुकाबले में नहीं खेले थे। अब कप्तान पैट कमिंस ने बताया है कि उन्होंने बल्लेबाजी प्रैक्टिस करनी शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि स्मिथ का जख्म अब ठीक लग रहा है। बस यहां आकर नेट्स में उन्हें कुछ गेंदें मारनी हैं।

संक्षिप्त खेल की खबरें

इंग्लैंड में इंडियन कैप्टन की तबियत खराब

नई दिल्ली,28 जून 2025। भारतीय पुरुष टीम इस समय इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही है, जिसके पहले मुकाबले में भारतीय टीम को पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। दूसरी तरफ भारतीय महिला टीम इंग्लैंड महिला टीम के खिलाफ पांच टी20 इंटरनेशनल और तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी। टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 28 जून को भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा। लेकिन अब मैच से पहले ही भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर की तबियत ठीक नहीं है। इस बात की जानकारी स्मृति मंधाना ने दी है।

टेस्ट मैच हारने के बाद इस खिलाड़ी ने छोड़ी कप्तानी

ढाका,28 जून 2025। बांग्लादेश क्रिकेट टीम को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में पारी और 78 रनों से हार का सामना करना पड़ा। मैच के साथ बांग्लादेश ने टेस्ट सीरीज गंवा दी थी। दोनों टीमों के बीच पहला टेस्ट मुकाबला ड्रॉ रहा था। अब बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शान्तो ने टेस्ट कप्तानी छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि हर फॉर्मेट में अलग कप्तान समझदारी नहीं है। नजमुल हसन शान्तो ने कहा कि मैं अब टेस्ट फॉर्मेट में कप्तान नहीं रहना चाहता हूं। मैंने टीम के अच्छे के लिए यह फैसला लिया है और मुझे लगता है कि इससे टीम को मदद मिलेगी। मैं पिछले कुछ समय से ड्रेसिंग रूम का हिस्सा रहा हूं। मुझे लगता है कि तीन अलग-अलग कप्तान तीन फॉर्मेट में समझदारी नहीं है। मुझे नहीं पता है कि बोर्ड इस बारे में क्या सोचेगा। मैं उनके हर फैसले का समर्थन करूंगा। यह मेरा पर्सनल फैसला है। मुझे लगता है कि टीम के लिए तीन अलग-अलग कप्तानों से निपटना मुश्किल होगा।

प्रज्ञानानंदा को हुआ तगड़ा फायदा

भारत के लिए हासिल की सर्वोच्च रैंकिंग,डी गुकेश को पछाड़ा

नई दिल्ली,28 जून 2025। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा उज चेस कप मास्टर्स 2025 जीतने के बाद लाइव रेटिंग में भारत के टॉप रैंकिंग वाले शतरंज खिलाड़ी बन गए। इस जीत से प्रज्ञानानंदा की लाइव रेटिंग 2778.3 तक पहुंच गई, जिससे वह तीन स्थान की उछाल से दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी बन गए। इस तरह उन्होंने अपने करियर की सर्वोच्च रैंकिंग हासिल की। इस 19 साल के खिलाड़ी ने विश्व चैंपियन डी गुकेश (2776.6) और अर्जुन एरिगैसी (2775.7) को पछाड़ दिया जो भारत के शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी थे। लेकिन अब दुनिया के छठे नंबर पर खिसक गए। मैग्नस कार्लसन (2839.2) टॉप पर बने हुए हैं।

प्रज्ञानानंदा ने किया कमाल

उज चेस कप मास्टर्स 2025 में आर प्रज्ञानानंदा ने अंतिम दिन स्थानीय दावेदार नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव से एक अंक पीछे और जावोखिर सिंदारोव से आधा अंक पीछे से शुरुआत की। अंतिम दौर में अब्दुसत्तोरोव पर एक अहम जीत ने उन्हें राउंड-रॉबिन चरण के अंत में 5.5 अंक के साथ दोनों खिलाड़ियों के बराबर लाने में मदद की। अर्जुन एरिगैसी ने अरविंद चितंबरम के साथ ड्रा करके इसे चार खिलाड़ियों का टाई बनाने का मौका गंवा दिया। टाईब्रेक के पहले दौर में तीनों खिलाड़ियों ने डबल राउंड-रॉबिन ब्लिट्ज में दो अंक हासिल किए।

प्रज्ञानानंदा ने साल का जीता तीसरा खिताब

अब्दुसत्तोरोव और सिंदारोव ने अपनी दोनों बाजी ड्रॉ की जबकि प्रज्ञानानंदा ने दोनों को सफेद मोहरों से हराया लेकिन काले मोहरों से हार गए। दूसरे टाईब्रेक में प्रज्ञानानंदा ने अब्दुसत्तोरोव के साथ सफेद मोहरों से ड्रॉ किया और सिंदारोव को काले मोहरों से हराया। सिंदारोव की अब्दुसत्तोरोव पर जीत ने भारतीय खिलाड़ी के लिए खिताब पक्का कर दिया। यह प्रज्ञानानंदा का इस साल का तीसरा खिताब है।

विश्वनाथन आनंद ने की तारीफ

इससे पहले उन्होंने टाटा स्टील शतरंज टूर्नामेंट और रोमानिया में ग्रैंड शतरंज टूर सुपरबेट क्लासिक में जीत हासिल की थी। इस महीने की शुरुआत में स्टीफन अवग्यान मेमोरियल में भी वह उपविजेता रहे थे। पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने सोशल मीडिया पर प्रज्ञानानंदा को बधाई देते हुए लिखा कि उज्बेकिस्तान शतरंज कप जीतने के लिए आर प्रज्ञानांनदा को बधाई। इस साल यह उनकी तीसरी बड़ी क्लासिकल जीत। उन्होंने अर्जुन एरिगैसी को हराया और आज अहम मैच में अब्दुसत्तोरोव को हराकर पहला स्थान हासिल किया। वह शतरंज की दुनिया में नए चौथे नंबर के और भारत में सर्वोच्च रेटिंग वाले खिलाड़ी हैं।

बुमराह भी भाला फेंक सकता है नीरज चोपड़ा ने कही बड़ी बात

नई दिल्ली,28 जून 2025। असली असली को पहचानते हैं, चाहे कोई भी खेल हो। नीरज चोपड़ा ने भी भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की महानता को पहचाना, जिनके बारे में उनका मानना है कि वे खुद भी एक बेहतरीन भाला फेंक खिलाड़ी साबित हो सकते हैं। स्टार स्पोर्ट्स पर एक सेगमेंट के दौरान, स्टार भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी से नवजोत सिंह सिद्धू जैसे लोगों ने पूछा कि भारतीय क्रिकेट टीम में उनका मानना है कि भाला फेंकने वाले के रूप में कौन बेहतर हो सकता है। पूर्व ओलंपिक चैंपियन चोपड़ा के लिए, जवाब बहुत सरल था- जसप्रीत बुमराह।

यासर डोगू अंतरराष्ट्रीय कुश्ती टूर्नामेंट

चार स्वर्ण और एक कांस्य के साथ तुर्की में भारतीय महिला पहलवानों का जलवा

नई दिल्ली,28 जून 2025। भारतीय महिला पहलवानों ने अंतरराष्ट्रीय कुश्ती मंच पर अपना दबदबा कायम रखा है। तुर्की में आयोजित यासर डोगू अंतरराष्ट्रीय कुश्ती टूर्नामेंट में भारत ने छह महिला पहलवानों का दल भेजा, जिसने शानदार प्रदर्शन किया है। छह में से पांच भारतीय महिला पहलवानों ने चार स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीतकर पदक जीते हैं, जिसके साथ भारत ओवरऑल टीम रैंकिंग में उप-विजेता रहा। यासर डोगू अंतरराष्ट्रीय कुश्ती टूर्नामेंट में केवल छह पहलवानों ने हिस्सा लिया, लेकिन इसके बावजूद भारत ने यहां दमदार प्रदर्शन किया है। इस टूर्नामेंट में मेजबान तुर्की ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि कजाकिस्तान तीसरे स्थान पर रहा।

भारत की ओर से पुष्पा ने 55 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता,जबकि नेहा ने 57 किलोग्राम वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं, मनीषा ने 62 किलोग्राम वर्ग में दबदबा बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता, जबकि हर्षिता ने 72 किलोग्राम वर्ग में एक और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इनके अलावा नीलम ने भी पदक जीतने में योगदान दिया है। उन्होंने 50 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीता, जिससे भारतीय दल का प्रदर्शन सफल रहा। इससे पहले, भारतीय अंडर-17 पहलवानों ने वियतनाम के वुंग ताऊ में अंडर-17 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में तीन स्वर्ण सहित पांच पदक जीते, लेकिन ओवरऑल टीम रैंकिंग में टॉप-3 से बाहर रहे। भारतीय फ्रीस्टाइल दल ने धैर्य, दृढ़ संकल्प और तकनीकी उत्कृष्टता का प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण और दो कांस्य सहित कुल पांच पदक हासिल किए।

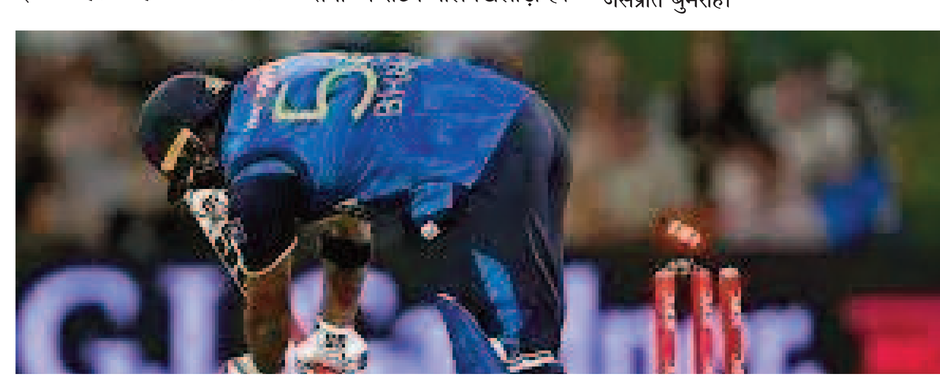

आईसीसी ने छोटे टी 20 मैचों के लिए पावरप्ले ओवरों की सटीक परिभाषा तय की

दुबई,28 जून 2025। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने गुरुवार को छोटे टी20 मैचों के लिए नए पावरप्ले नियमों की घोषणा की और सबसे छोटे प्रारूप के लिए अपनी नई खेल शर्तों में प्रतिबंधित क्षेत्र के साथ आगे की ओर अनुमत ओवरों की संख्या को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया। जुलाई से प्रभावी नए नियमों के अनुसार, एक पारी में आठ ओवरों का कम किया गया खेल, जिसमें तीन ओवर पावरप्ले के रूप में होंगे, अब 30 गज के घेरे के बाहर केवल दो क्षेत्ररक्षकों के साथ 2.2 ओवर का पावरप्ले होगा। इसी तरह, पांच ओवर की पारी के लिए 1.3 ओवर पावरप्ले के होंगे। आईसीसी की वेबसाइट पर तालिका में कहा गया है कि छह ओवर की पारी के लिए 1.5 ओवर पावरप्ले के होंगे 11 ओवर की पारी के लिए 3.2 ओवर पावरप्ले के होंगे, 12 ओवर की पारी के लिए 3.4 ओवर पावरप्ले के होंगे। इसी तरह, 13 ओवर की पारी के लिए 3.5 ओवर पावरप्ले के होंगे, 14 ओवर की पारी के लिए 4.1 ओवर पावरप्ले के होंगे, 15 ओवर की पारी के लिए 4.3 ओवर पावरप्ले के होंगे और 16 ओवर की पारी के लिए 4.5 ओवर पावरप्ले के होंगे।

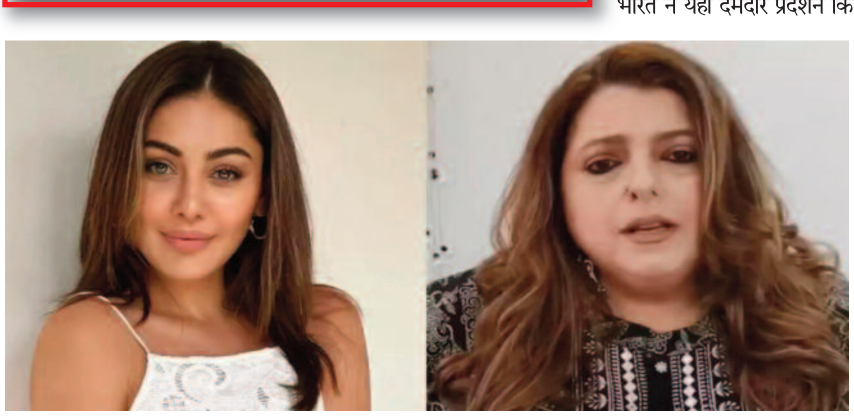

शेफाली जरीवाला का निधनः डेलनाज़ ईरानी स्तब्ध,रातों की नींद उड़ गई

27 जून की रात को शेफाली जरीवाला के अचानक और दुखद निधन ने पूरे मनोरंजन उद्योग में शोक की छाया डाल दी है। महज 42 साल की उम्र में शेफाली ने अपने घर पर अप्रत्याशित रूप से इस दुनिया को छोड़ दिया, जिससे प्रशंसक और सहकर्मी अचंभित हैं। कई लोग हार्दिक संवेदना व्यक्त कर रहे हैं और वास्तविकता को स्वीकार करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कई सालों से इंडस्ट्री का हिस्सा रहीं अभिनेत्री डेलनाज़ ईरानी ने इस चौंकाने वाली खबर पर गहरा दुख व्यक्त किया। डेलनाज़ ईरानी ने शेफाली जरीवाला को याद किया डेलनाज़ ईरानी ने शेफाली जरीवाला को ÷जीवंत व्यक्ति÷ बताया। इस नुकसान पर विचार करते हुए, उन्होंने कहा, ÷यह बहुत चौंकाने वाला है। यह एक रात की नींद हराम कर देने वाली रात रही। खबर सुनकर, बहुत सदमे में हूँ, बहुत, बहुत, बहुत सदमे में। बहुत दुखद! इतनी खुशमिजाज़ और जिंदादिल इंसान÷ इस दिल दहला देने वाली खबर ने इंडस्ट्री के कई लोगों को गहराई से प्रभावित किया है क्योंकि अभिनेत्री का कई लोगों के साथ अच्छा रिश्ता था। मनोरंजन जगत की एक और मशहूर हस्ती सुयश राय ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि जब से उन्हें शेफाली के असमय चले जाने की खबर मिली है, तब से वह ÷सुन्न÷ महसूस कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि शेफाली को अस्पताल पहुंचने पर मृत घोषित कर दिया गया था। अभिनेत्री को उनके पति पराग त्यागी ने अस्पताल पहुंचाया था। शेफाली के चले जाने से सभी के दिलों में एक गहरा खालीपन रह गया है।

काजोल की मां से अधिक अक्षय की कन्नप्पा का चला जादू,सितारे जमीन पर के आगे फीकी हाउसफुल 5

साजिद नाडियाडवाला की हाउसफुल 5 में अक्षय कुमार,अभिषेक बच्चन,जैकी श्रॉफ,संजय दत्त,नाना पाटेकर,रितेश देशमुख जैसे दर्जनों सितारे नजर आए अब ये सिनेमाघरों में 22 दिन गुजार चुकी है। इस फिल्म की कमाई अब तमाम नई फिल्मों के बीच काफी नीचे जा चुकी है। वहीं आमिर खान की हालिया रिलीज फिल्म सितारे जमीन पर में अभी काफी दम दिख रहा है।

इन दोनों फिल्मों के अलावा इस वक्त काजोल की फिल्म मां,ब्रैड पिट की स्पोर्ट्स ड्रामा एफ 1: द मूवी और विष्णु मंचू,अक्षय कुमार,प्रभास,मोहनलाल,काजल अग्रवाल,मोहन बाबू जैसे शानदार सितारों की फिल्म कन्नप्पा भी कमाई के रेस में सिनेमाघरों के मैदान में उतर चुकी है।

हाउसफुल 5 की 22 वें दिन की कमाई कितनी

अक्षय कुमार,अभिषेक बच्चन की हाउसफुल 5 कॉमेडी के साथ-साथ इस बार मर्डर मिस्ट्री भी लेकर आई। ये फिल्म सिनेमाघरों में अब तक करीब 180.95 करोड़ की कमाई कर चुकी है। वहीं कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने केवल 30 लाख की ही कमाई की। वहीं वर्ल्ड वाइड इस फिल्म की कमाई करीब 273.50 करोड़ के आसपास जा चुकी है। वहीं विदेशों में फिल्म की कमाई लगभग 58.00 करोड़ के आसपास हो चुकी है। हाल ही में रिलीज हुई आमिर खान की आर एस प्रसन्ना के निर्देशन में बनी फिल्म सितारे जमीन पर डिस्लेक्सिया जैसे जटिल प्रॉब्लम से जूझ रहे बच्चों की स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जो नॉर्मल लोगों के लिए एक बड़ी सीख साबित हुई है। इस फिल्म को रिलीज हुए करीब 8 दिन बीत चुके हैं। फिल्म ने शुक्रवार को 6.50 करोड़ रुपये की कमाई की है। कुल मिलाकर अब तक ये 94.40 करोड़ की कमाई देसी बॉक्स ऑफिस पर कर चुकी है। वहीं वर्ल्डवाइड इस फिल्म की कमाई करीब 150 करोड़ रुपये के आसपास हो चुकी है। विदेशों में फिल्म ने

40.00 करोड़ के पार कमाई कर ली है।

काजोल की हॉरर फिल्म मां का कलेक्शन

इसके अलावा 27 जून को रिलीज हुई काजोल स्टारर फिल्म मां एक हॉरर थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में काजोल अपनी बेटी की जान बचाने के लिए अदृश्य शक्तियों से लड़ती है जिसके लिए उन्हें मां काली का आशीर्वाद मिला है। इस फिल्म ने पहले शुक्रवार को करीब 4.50 करोड़ रुपये की कमाई की है।

ब्रैड पिट स्पोर्ट्स मूवी रेसिंग फिल्म एफ-1

हॉलीवुड स्टार ब्रैड पिट स्पोर्ट्स मूवी रेसिंग फिल्म एफ 1 के साथ सिनेमाघरों में लौट आए हैं। जोसेफ कोसिंस्की के डायरेक्शन में बनी एफ1 में ब्रैड पिट के साथ डैमसन इदरीस लीड रोल में नजर आए हैं। फिल्म में मैक्स वर्स्टैपेन, फर्नांडो अलोंसो, लुईस हैमिल्टन, कार्लोस सैन्ज, एस्टेबन ओकन, जॉर्ज रसेल, चार्ल्स लेक्लर समेत कई रियल लाइफ के फॉर्मूला 1 सितारे इस फिल्म में कैमियो करते नजर आए हैं। यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है।

कन्नप्पा ने लगाई सबसे ऊंची छलांग

मुकेश कुमार सिंह डायरेक्टर की फिल्म कन्नप्पा में विष्णु मंचू,अक्षय कुमार,प्रभास,मोहनलाल,काजल अग्रवाल,मोहन बाबू,मुकेश रिषि,मधु,प्रीति मुखुन्दन जैसे तमाम सितारे नजर आए। ये फिल्म एक आम नास्तिक आदिवासी से शिव भक्त कन्नप्पा बनने की रोंगटे खड़े कर देने वाली कहानी है। कन्नप्पा ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन करीब 9.00 करोड़ की कमाई की है।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

पीएम मोदी को 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि

सीएम साय ने दी बधाई

रायपुर,28 जून 2025(ए)। पीएम मोदी को 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि से सम्मानित किया गया है, सीएमसाय ने बधाई देते हुए कहा,धारयति इति धर्मः आचार्य श्री विद्यानंद जी महाराज के शताब्दी समारोह के पावन अवसर पर आचार्य श्री 108 प्रज्ञा सागर जी महाराज द्वारा भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि से सम्मानित किया जाना सम्पूर्ण राष्ट्र एवं सनातन समाज के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है। सनातन संस्कृति की जड़ें जितनी गहरी हैं,उसका प्रभाव उतना ही व्यापक है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में भारत की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर पुनः प्रतिष्ठा प्राप्त हुई है। उनके प्रयासों ने धर्म, नीति, सेवा, राष्ट्र के समग्र उत्थान, जनचेतना में राष्ट्र प्रथम के मूल भाव को चरितार्थ किया है।

गद्दा फैक्ट्री में लगी भीषण आग

» कर्मचारी जिंदा जला,जांच में जुटी पुलिस

रायपुर,28 जून 2025(ए)। राजधानी रायपुर के मंदिर हसौद क्षेत्र में कोटेश्वर के पास स्थित एक गद्दा फैक्ट्री में शुक्रवार देर रात एक भयावह हादसा हुआ। फैक्ट्री में अचानक लगी भीषण आग ने पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया, जिसमें एक कर्मचारी की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान धमतरी जिले के मगरलोड निवासी त्रिलोचन ध्रुव के रूप में हुई है। इस हादसे ने न केवल फैक्ट्री को राख में तब्दील कर दिया, बल्कि क्षेत्र में दहशत भी फैला दी।

छत्तीसगढ़ में अपराधियों को कांग्रेस मानती है वोट बैंक

तोमर बंधुओं पर होगी सख्त कार्रवाई...

रायपुर,28 जून 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने प्रदेश में कानून व्यवस्था और विपक्ष की भूमिका को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पिछली सरकार के कार्यकाल में अपराधियों को संरक्षण मिला और पुलिस बल का मनोबल तोड़ा गया। डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा कि कानून से बड़ा कोई नहीं होता। बीते पांच वर्षों में जो भी अनियमितताएं हुईं, उन पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है। चाहे वह तोमर बंधु हों या कोई और, सभी के खिलाफ जांच और कार्रवाई जारी है।

पुलिस को बनाया गया था जासूसी तंत्र, अब काम कर रही स्वतंत्र

उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने पुलिस बल को मूल कर्तव्यों से भटका कर जासूसी जैसे कार्यों में लगाया। बस्तर से रायपुर तक पैसों से भरी पेटियां पहुंचती थीं, और पुलिस को स्थानीय लोगों की जासूसी में झोंक दिया गया था, शर्मा ने कहा। लेकिन अब, उन्होंने बताया, पुलिस पूरी स्वतंत्रता के साथ कानून

व्यवस्था बनाए रखने का कार्य कर रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के बयानों पर पलटवार करते हुए विजय शर्मा ने कहा, कांग्रेस जिनके पक्ष में खड़ी है, वे अपराधी हैं। कांग्रेस इन अपराधियों को अपना वोट बैंक मानती है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों की मौजूदगी से अपराध बढ़ता है और सरकार इसीलिए सख्त कदम उठा रही है।

शहीद परिवारों को मिलेगा सम्मान और नियुक्ति

शहीदों के परिजनों को लेकर सरकार संवेदनशील कदम उठा रही है। विजय शर्मा ने कहा कि अब शहीद परिवारों को केवल पुलिस विभाग में नहीं, बल्कि अन्य विभागों में भी अनुकंपा नियुक्तियां दी जाएंगी। नक्सल समस्या पर बोलते हुए शर्मा ने दावा किया कि सरकार की रणनीति रंग ला रही है। पहले जहां गिरफ्तारी की संख्या अधिक होती थी, अब आत्मसमर्पण और पुनर्वास के आंकड़े बढ़ रहे हैं। नक्सली अब समाज की मुख्यधारा में लौटना चाह रहे हैं।

जन संवाद के लिए टोल फ्री नंबर

सरकार ने जनता से सीधे फीडबैक लेने के लिए टोल फ्री नंबर जारी किया है। शर्मा ने बताया कि इस नंबर पर आने वाले कॉल मैन्युअली हैंडल किए जाएंगे और लोगों की शिकायतों पर गंभीरता से विचार होगा।

पत्रकार सुरक्षा कानून को लेकर अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के ज्ञापन के बाद राज्यपाल ने छत्तीसगढ शासन को लिखा खत

पत्रकार सुरक्षा कानून को लेकर बिलासपुर विधायक अटल श्रीवास्तव के पत्र पर राज्यपाल ने छत्तीसग शासन को लिखा खत।

बिलासपुर,28 जून 2025(ए)। अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति छत्तीसगढ़ के द्वारा प्रदेश के विधायकों के माध्यम से पत्रकार सुरक्षा क़ानून का जो ड्राफ्ट राज्यपाल महोदय के पास हस्ताक्षर हेतु विगत दो वर्षो से रखा हुआ हैं उसमे हस्ताक्षर करने या उसे विधानसभा वापस भेजने को लेकर संगठन के लेटर में विधायको को राज्य पाल महोदय के नाम ज्ञापन दिया जिसमें अखिल भारतीय पत्रकार सुरक्षा समिति के प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द शर्मा राष्टीय उपाध्यक्ष राकेश परिहार ने कोटा विधायक श्री अटल श्रीवास्तव को भी राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौपा था जिस पर विधायक अटल श्रीवास्तव जी ने तुरंत संज्ञान लेते हुए राज्य पाल महोदय को हमारे पत्र के साथ अपना पत्र भेजा जिसमें पत्रकार सुरक्षा कानून को जल्द से जल्द प्रदेश में लागू हो और पत्रकार

स्वतंत्र रूप से पत्रकारिता कर सकें हेतु आग्रह किया जिसका राज्य पाल महोदय ने संज्ञान लेते हुए छत्तीसगढ़ शासन को खत लिख कर पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने विधि सम्मवत कार्य कर सुचना देने की बात कही।

कांग्रेस पार्टी के कोटा विधायक अटल श्रीवास्तव ने कहा...

प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा क़ानून लागू होना चाहिए और पत्रकारों को स्वतंत्र रूप से कार्य करने की आजादी भी मिलनी चाहिए हमारी पूर्व की भूपेश बघेल की सरकार ने प्रदेश के पत्रकारों को उनकी मांग मिले उसके लिये पत्रकार सुरक्षा क़ानून का ड्राफ्ट बनाया और उसे विधानसभा में भी पास कराया था उसके बाद राज्यपाल के पास हस्ताक्षर के लिये भेजा यदि उस समय के राज्यपाल विधानसभा में पास हुए ड्राफ्ट में हस्ताक्षर कर देते तो आज पत्रकारों को उनका कानून मिल गया होता लेकिन अब पत्रकारों को न्याय देने का काम विष्णुदेव साय सरकार का हैं और उन्हें यें कानून जरूर मिलना चाहिए में पत्रकारों को विश्वास दिलाना चाहता हूं में और मेरी पार्टी कांग्रेस पत्रकार सुरक्षा क़ानून दिलाने के लिये पत्रकारों के साथ हैं।

छत्तीसगढ़ में अब डॉक्टरों को कोर्ट जाने की जरूरत नहीं

वीडियो कॉल से दे सकेंगे गवाही,चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने की वर्चुअली शुरुआत

बिलासपुर,28 जून 2025 (ए)। छत्तीसगढ़ में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ के लिए बड़ी राहत की खबर है। अब उन्हें गवाही देने के लिए कोर्ट जाने की झंझट से छुटकारा मिल गया है। राज्य की सभी 23 जिला अदालतों और जिला अस्पतालों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जोड़ दिया गया है। इस नई व्यवस्था की शुरुआत हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने वर्चुअली की। यानी अब डॉक्टर अपने अस्पताल से ही वीडियो कॉल के जरिए मेडिकल रिपोर्ट और बयान दे सकेंगे। इस कदम से कोर्ट की कार्रवाई तेज, पेपरलेस और पारदर्शी होगी। डॉक्टरों को अब दूर-दराज से कोर्ट आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही, रायगढ़, जांजगीर-चांपा, कोरबा और बेमेतरा जिला अदालतों में डिजिटाइजेशन और स्कैनिंग सेंटर भी शुरू हो गए हैं।

हिंसा से उबर कर अब बदलाव की राह पर बस्तर

तीन दशकों के आतंक और दहशत का खत्म हो रहा दौर, छत्तीसगढ़ में तेजी से सिमट रहा नक्सली हिंसा का दायरा

"लाल आतंक के खात्मे के लिए नक्सलियों के खिलाफ हमारी निर्णायक लड़ाई जोर-शोर से जारी है, जिसका परिणाम है कि नक्सलियों की कमर अब टूट गई है। प्रदेश से जब तक नक्सली हिंसा और उग्रवाद का अंत नहीं हो जाता हम चुप नहीं बैठेंगे।"

-श्री विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

आदिवासी बाहुल्य आबादी, अनुपम नैसर्गिक सुंदरता और प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर बस्तर में आज विकास का सबसे बड़ा अवरोधक है नक्सली हिंसा। पिछले 3 दशकों में नक्सलियों ने यहां अपने पैर पसारे। बंदूक के दम पर हिंसा के साथ विकास कार्यों में बाधा पहुंचाई। नक्सलियों ने अपने झूठे और खोखले सिद्वांतों के जरिए लंबे समय तक भोले- भाले आदिवासियों को भ्रम में डाला। हिंसा का सहारा लेकर उन्हें डराने की कोशिश की। बच्चों से उनके स्कूल छीने, उनका बचपन छीना, उन्हें हिंसा की राह पर धकेला। कई परिवारों को बर्बाद किया, सुहागनों के सिंदूर उजाड़े। बेटियों को अगवा किया और उन्हें भी हिंसा के रास्ते पर ले गए। इसी वजह से संसाधनों से परिपूर्ण बस्तर पर देश के सबसे पिछड़े इलाकों में एक होने का धब्बा लगा। लेकिन अब छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ विकास के इस अवरोध को पूरी तरह से समाप्त करने पर डटी हुई है। अब वह दिन दूर नहीं जब नक्सलवाद की काली छाया छत्तीसगढ़ से पूरी तरह मिट जाएगी। बस्तर में विकास का नया सवेरा अब होने ही वाला है। यहां नक्सलियों की कमर टूट चुकी है, अब बस इसका समूल खात्मा बाकी है, जिसकी डेड लाइन भी तय हो चुकी है। मजबूर आदिवासी ग्रामीणों पर हुए इन अत्याचारों का अब हिसाब होने वाला है। उन्हें अब न्याय मिलेगा। उन्हें अब अपना खुशहाल बस्तर मिलेगा, जो इन हिंसा वादियों के चंगुल से पूरी तरह मुक्त होगा और विकास के रास्ते पर पूरी गति से आगे बढ़ेगा। छत्तीसगढ़ में सिमटते हुए नक्सलवाद के अतीत पर अगर गौर करें तो यह बेहद दर्दनाक रहा है। नक्सली हिंसा की वजह से बस्तर के स्थानीय लोगों ने करीब तीन दशकों तक बहुत कुछ सहा है। बहुत सी ऐसी कड़वी यादें हैं जो कभी भी भुलाई नहीं जा सकतीं, और इन्हें जब भी याद करें तो नक्सलियों को परास्त करने का हौसला और भी मजबूत हो जाता है। पुलिस और सुरक्षा बलों के जवान पूरे हौसले के साथ नक्सल मोर्चे पर डटे हैं और अब जल्द ही नक्सलियों का समूल अंत होगा।

खुल रहे स्कूलों के द्वार

झूठे सिद्धांतों की दुहाई देने वाले नक्सली, बच्चों की शिक्षा के भी घोर विरोधी रहे हैं। उन्हें हमेशा यह डर रहा है कि यदि बस्तर की नई पीढ़ी पढ़ लिखकर जागरूक हो जाएगी, तो उनके बहकावे में नहीं आएगी। इसी भय के चलते नक्सली शिक्षा के मंदिरों पर हमले करते, उन्हें तोड़ते और बच्चों को स्कूल जाने से रोकते थे। विगत 20 वर्षों में नक्सलियों ने 200 से अधिक स्कूल भवनों को क्षतिग्रस्त किया। अब बस्तर संभाग में करीब साढ़े तीन सौ बंद पड़े स्कूलों को दोबारा शुरू किया गया है।

नक्सल मोर्चे पर मिली सफलता
(दिसंबर 2023 से अब तक)

न्यूट्रलाइज किए गए नक्सली	436
गिरफ्तार	1457
आत्मसमर्पण	1432
जप्ती माइंस	673
जप्ती हथियार	555
स्थापित कैंप	64

बारूदी सुरंगें बिछाकर फैलाई तबाही

विकास के विरोधी रहे नक्सली नहीं चाहते कि बस्तर में किसी भी तरह का अधोसंरचना विकास हो, इसलिए वह विस्फोटकों का सहारा लेकर पुल- पुलिया, सड़कों और सड़क निर्माण में लगे वाहनों- मशीनरी को तबाह करते। इसके साथ ही बस्तर में जगह-जगह बारूदी सुरंगें बिछाकर मानवता को भी तबाह करने की कोशिश की। उनके बिछाए बारूदी सुरंगों की चपेट में आने से सुरक्षा बलों के जवानों सहित कई निर्दोष ग्रामीणों व बेजुबान मवेशियों को भी अपनी जान गंवानी पड़ी। इन बारूदी सुरंगों को निष्क्रिय कर नष्ट करना बड़े-बड़े चुनौती भी रही। इस प्रक्रम में बड़ी कुर्बानी भी हमारे पुलिस व सुरक्षा बलों के जवानों को देनी पड़ी है। वर्ष 2003 से अब तक आईईडी के चपेट में आने से कुल 147 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 306 लोग गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। वहीं अब तक कुल 4,173 लैंड माइंस रिकवर की गई हैं।

नक्सल घटनाओं में हुई क्षति

घटना	वर्ष 2003 से दिसंबर 2023 तक	दिसंबर 2023 से अब तक
नक्सली और जवानों के बीच मुठभेड़	3,458	209
शहीद जवानों की संख्या	1,473	44
नक्सल घटना में मारे गए सिविलियन	1,941	89
घायल सिविलियन की संख्या	759	24
आईईडी के कारण मारे गए लोगों की संख्या	135	12
आईईडी के कारण घायल लोगों की संख्या	287	19
आगजनी की घटना	767	20
सड़क निर्माण में लगे पोकलेन जलाए	149	
सड़क निर्माण मे लगे वाहन जलाए	2,057	27
पुल-पुलिया तोड़े	220	8
स्कूल, अस्पताल व अन्य शासकीय भवन तोड़े	208	
मोबाईल टावर उड़ाए	34	11

सुशासन से समृद्धि की ओर...
मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से जुड़ने के लिए Q.R. Code स्कैन करें

बस्तर के इतिहास में लाल रंग में दर्ज हैं यह तारीखें

28 फरवरी 2006 — दरभागुड़ा, जिला- सुकमा
ग्राम दोरनापाल में आयोजित सलवा जुडूम जन जागरण अभियान से 4 ट्रकों में कोंटा के ग्रामीण अपने अपने गांव वापस हो रहे थे, कि एर्राबोर थाना क्षेत्र के ग्राम दरभागुड़ा के समीप नक्सलियों द्वारा बारूदी सुरंग विस्फोट किया गया, जिसमें 28 ग्रामीणों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना में अन्य 27 ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हुए थे। 3 ट्रकों को आग के हवाले कर दिया गया था।

24 मार्च 2006 — संगम, जिला- सुकमा
थाना पखांजूर क्षेत्र के ग्राम संगम में साप्ताहिक बाजार से ग्रामीण बाजार कर जीप से पखांजूर लौट रहे थे। इसी दौरान घोडागांव एवं संगम गांव के मध्य नक्सलियों द्वारा बम विस्फोट कर जीप को उड़ा दिया गया। इस घटना में 13 ग्रामीणों की मौत हो गई और 4 ग्रामीण घायल हुए थे।

25 अप्रैल 2006 — मनीकोंटा, जिला- सुकमा
थाना दोरनापाल के राहत शिविर में रह रहे ग्राम मनीकोंटा के 50-60 ग्रामीण सामान लेकर वापस आ रहे थे, कि नक्सली उन्हें अगुआ कर पकड़ ले गए। नक्सलियों ने इनमें से 15 ग्रामीणों की हत्या कर दी थी।

16 जुलाई 2006 — एर्राबोर, जिला- सुकमा
थाना एर्राबोर राहत शिविर कैंप में अज्ञात लगभग डेढ़ हजार नक्सली व संघम सदस्यों द्वारा गोलीबारी के साथ हमला कर दिया। नक्सलियों द्वारा 220 घरों को आग के हवाले कर दिया था, जिससे राहत शिविर में रह रहे 6 एसपीओ, 1 स्वास्थ्य कार्यकर्ता व 17 ग्रामीण मारे गए थे। इनके अलावा 47 अपहत ग्रामीणों में से 6 की हत्या कर दी गई और 20 घायल ग्रामीणों में से 3 ने ईलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

15 मार्च 2007 — रानीबोदली, जिला- बीजापुर
नेशनल पार्क दलम के नक्सली कमाण्डर व करीब 500 अन्य नक्सलियों ने हथियार लूटने की नीयत से रानीबोदरी में सुरक्षा बलों के कैम्प पर सशस्त्र हमला किया। स्वचलित अत्याधुनिक हथियारों से अंधाधुंध गोली-बारी की गई, जिससे कैम्प तबाह हो गया और वहां तैनात छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल 9वीं वाहिनी सी कम्पनी कैम्प के 55 जवान शहीद हो गए थे।

16 मई 2010 — चिंगावरम, जिला- सुकमा
सुकमा से जिला पुलिस बल एवं एसपीओ की संयुक्त पुलिस पार्टी गादीरास थाना क्षेत्र में भूसारास से मुकमा की ओर लौट रही थी। इसी दौरान चिंगावरम के पास नक्सलियों द्वारा उस बस को निशाना बनाया गया जिसमें पुलिस जवान सवार थे। घटना में 11 आरक्षक, 1 एसएसबी वेटनरी फिल्ड असिस्टेंट व 4 एसपीओ शहीद हो गए थे। इस घटना में 15 निर्दोष ग्रामीण भी मारे गए।

6 अप्रैल 2010 — ताड़मेटला, जिला- सुकमा
चिंतलनार में तैनात 62 वीं वाहिनी सीआरपीएफ के बी कंपनी द्वारा एरिया डॉमिनेशन व नक्सली गश्त सर्चिंग अभियान के दौरान ताड़मेटला पहाड़ी जंगल क्षेत्र में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हुई। फोर्स की सहायता हेतु चित्तलनार कैम्प से अन्य पार्टी रवाना हुई थी, कि रास्ते में ही नक्सलियों द्वारा फायरिंग शुरू कर दी और बुलेट प्रुफ वाहन को विस्फोट कर क्षतिगस्त कर दिया। उक्त घटना में सीआरपीएफ के 75 जवान व जिला पुलिस बल के 1 प्रधान आरक्षक शहीद हुए थे।

29 जून 2010 — राकस नाला, जिला- नारायणपुर
कैम्प थौड़ाई से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की पार्टी रोड ओपनिंग हेतु ग्राम झारा की ओर से वापस आ रही थी। इसी समय राकस नाला के पास पूर्व से घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने हथियार लूटने की नियत से अंधाधुन्ध फायरिंग की। पुलिस पार्टी द्वारा भी तत्काल पोजिशन लेते हुए फायर का जवाब दिया गया। इस घटना में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 27 जवान शहीद हो गए थे।

9 जुलाई 2007 — रेगड़गट्टा, जिला- सुकमा
थाना एर्राबोर से जिला बल, सीआरपीएफ एवं एसपीओ के साथ दो पार्टी नक्सली गश्त- सर्चिंग के लिए रवाना हुई थी कि, एरांचोर से लगभग 12-15 किलोमीटर दूरी पर उत्पलमेटा पहाड़ी के पास नक्सली व पुलिस पार्टी के बीच मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ के दौरान जिला बल के 2 जवान, 6 एसपीओ व सीआरपीएफ के 15 कुल 23 जवान शहीद हुए और 2 सीआरपीएफ जवान व 5 एसपीओ घायल हुए।

24 अप्रैल 2017 — चिंतागुफा, जिला- सुकमा
बुरकापाल कैम्प से सीआरपीएफ के 71 जवान और जिला बल का 1 जवान संयुक्त बल रोड निर्माण पार्टी की सुरक्षा हेतु चिंतागुफा की ओर रवाना हुए थे। इसी बीच करीब 200-250 हथियार बंद नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर हमला कर दिया। सुरक्षा बलों द्वारा जवाबी कार्यवाही की गई, लेकिन दुर्भाग्यवश घटना में सीआरपीएफ 74 वाहिनी के 25 जवान शहीद हो गए। इस घटना में नक्सली बड़ी तादाद में सुरक्षा बलों के हथियार भी लूट कर ले गए थे।

संवाद 44369/63

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)